राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 11 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–231 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

इमोशनल सीन फिल्माने में शोभिता को आती है दिक्कत

शोभिता धुलिपाला इन दिनों मेड इन हेवेन सीजन-2 के साथ सुर्खियों में हैं। इससे पहले उनकी वेब सीरीज द नाइट मैनेजर आई थीं। इन दोनों सीरीज में उनके काम को काफी पसंद किया गया है। शोभिता ने दिए गए इंटरव्यू में इन दोनों सीरीज की शूटिंग के दौरान का कुछ किस्सा शेयर किया है। शोभिता ने कहा कि शूटिंग के दौरान काफी ऐसे सीन थे, जिन्हें फिल्माने में काफी दिक्कतें आईं। खासतौर से इमोशनल सीन। शोभिता ने कहा कि वे काफी ज्यादा भावुक किस्म की इंसान हैं, वे अपने आंसुओं को कंट्रोल नहीं कर सकतीं। शोभिता ने ये भी कहा कि उन्हें मदरहुड एन्जॉय करने का बहुत शौक है। शोभिता शादी के बाद एक बेहतर मां बन चाहती हैं। शोभिता पिछले कुछ वक्त से सामंथा के एक्स हसबैंड नागा चैतन्य के साथ रिश्ते को लेकर भी सुर्खियों में हैं। हालांकि उन्होंने कभी इसकी पुष्टि नहीं की। इंटरव्यू के दौरान शोभिता धुलिपाला से 'द नाइट मैनेजर' और 'मेड इन हेवन' को मिले सक्सेस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहाह्यइस तरह के किरदारों को ऑडियंस हमारे मेन स्ट्रीम सिनेमा में जल्दी एक्सेप्ट नहीं करते हैं इसलिए जब ऐसे किरदारों की प्रशंसा होती है,मेरे अंदर के

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश

मौसम हुआ सुहाना, और भी बरसेंगे बदरा, गाजियाबाद में सड़कें बनी तालाब

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में कल दोपहर के बाद शाम को और फिर रात भर रुक-रुककर बारिश से मौसम सुहाना हो गया। लगातार बारिश और हवाओं ने राजधानी का पारा भी गिरा दिया है। मौसम विभाग का कहना है कि अभी आज और कल बादल बरसेंगे। मौसम विभाग का कहना है कि अभी दिल्ली-एनसीआर में बादलों का डेरा बना रहेगा। दिल्ली और एनसीआर में कुछ स्थानों पर अगले 2-3 घंटों तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। इन दिनों दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन चल रहा है। मौसम विभाग ने इस दौरान दिल्ली में बारिश की भविष्यवाणी की थी। अब तक 37-38 चल रहा तापमान बारिश के कारण लुढ़क कर 30 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। शनिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सुबह 8.30 बजे तक 009.7 मिमी व शाम 5:30 बजे तक 001.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण दिल्ली में सबसे कम अधिकतम तापमान मयूर विहार में दर्ज हुआ। यहां तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 31.7, रिज व नरेला इलाके में अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। रिज इलाके में तो न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी इलाके में 015.4 मिमी बारिश भी दर्ज की गई। दिल्ली में मौसम ने शुक्रवार से ही करवट ले ली थी। दिन भर बादल छाए रहे थे और शाम होते-होते कुछ इलाकों में बूंदाबादी हुई थी। वहीं शनिवार सुबह कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। दिन भर आसमान में बादलों की आवाजाही रही। शाम को भी कुछ इलाकों में बारिश देखने को मिली। वहीं गाजियाबाद में शनिवार को पूरी रात रुक-रुककर बारिश हुई है। रविवार सुबह से बारिश शांत है, लेकिन आसमान में काले बादल छाए हुए हैं। न्यूनतम तापमान घटकर 23 डिग्री सेल्सियस तक आ गया है। इससे लोगों को गरमी से काफी राहत मिली है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि सोमवार से मौसम थोड़ा साफ हो सकता है। इधर, बारिश के चलते गाजियाबाद के कई इलाकों में जलभराव के हालात पैदा हो गए हैं। सबसे वीआईपी एरिया इंदिरापुरम की सड़कें तालाब जैसी दिख रही हैं। लालकुआं के नजदीक बारिश के गड्ढे में एक कार अनियंत्रित होकर रात पलट गई थी, जिसे अब तक हटाया नहीं जा सका है। गड्ढे, जलभराव और इस गाड़ी के चलते लालकुआं पर बार-बार जाम लग रहा है। सिद्धार्थ विहार एरिया की टूटी सड़क पर पानी भर जाने से लोगों को दिक्कतें हो रही हैं।

बंद बोरे में मिला बसपा नेता का शव

बुलंदशहर । बसपा नेता हाजी बाबू की उनके साथियों ने गला दबाकर हत्या कर दी। वह बीते शुक्रवार को कालिंदी कुंज इलाके से लापता हो गए थे ' 24 घंटे बाद शनिवार को उनका शव उसमापुर स्थित रजवाहे में एक बोरे में बंद मिला है। शव मिलने की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने शक के आधार पर पल्लेदार रविंद्र और उसके साथी राम औतार को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो दोनों ने हत्या करने की बात कबूल कर ली। दोनों ने बताया कि पैसे के लिए उन लोगों ने हाजी बाबू की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी रविंद्र को पता था कि हाजी बाबू अपनी आढ़त पर अलमारी में हर समय 35 लाख रुपए की नकदी रखते हैं। रविंद्र ये रुपए चुराना चाहता था। अलमारी की चाबी हर समय हाजी बाबू के पास रहती थी। इसलिए रविंद्र ने खुद को बीमार बताकर झाड़-फूंक कराने के लिए हाजी बाबू को अपने कमरे पर बुलाया। हाजी बाबू वहां पहुंचे, तो रविंद्र और उसके साथी राम औतार उनसे चाबी छीनने की कोशिश करने लगे। जब दोनों को लगा कि हाजी बाबू से जीत नहीं पाएंगे, तो उन्होंने उनकी गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद जब आरोपियों ने उनकी जेब खंगाली, तो चाबी भी नहीं मिली। दरअसल, हाजी बाबू उस दिन चाबी घर पर छोड़ आए थे। हाजी बाबू की मौत के बाद दोनों आरोपी उनके शव को एक बोरे में बंद कर उसमापुर गांव के पास फेंक आए।

श्री बांके बिहारी मंदिर के पास फिर हादसा

धराशायी हो गई जर्जर भवन की दीवार

मथुरा। तीर्थनगरी मथुरा के वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर के समीप रविवार की तड़के एक बार फिर एक जर्जर भवन की दीवार धराशाई हो गई। यह भवन श्रावण कुमार खेमका का बताया जा रहा है। गनीमत यह रही कि जिस समय दीवार गिरी उस समय बांके बिहारी मंदिर के पट बंद थे, इससे आसपास भीड़भाड़ नहीं थी। इससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। गली नंबर एक जुगलघाट से होकर बांके बिहारी मंदिर से दर्शन कर श्रद्धालु इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। जहां दीवार भरभरा कर गिर गई। स्थानीय लोग दीवार गिराने कारण लगातार हो रही बारिश को बता रहे हैं। जिस भवन की दीवार गिरी है वह भवन लंबे समय से खाली है। पूर्व में इसी भवन में गौशाला थी। बताते चलें कि यहां पिछले महीने 15 अगस्त के दिन भी बड़ा हादसा हो गया था। एक जर्जर भवन की छत गिर गई थी।

मलबे में दबकर पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। जबकि कई घायल हो गए थे। उस समय भी जर्जर मकानों को गिराने की बात उठी थी, लेकिन अभी तक उसमें कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। रविवार को फिर एक मकान की दीवार ढह गई।

ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए

पत्नी भी साथ थीं, दोनों यहां करीब 45 मिनट रुके

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ आज (10 सितंबर) दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर पहुंचे। स्वामीनारायण मंदिर के मुख्य पुजारी ने दोनों का स्वागत किया और फिर उन्हें मुख्य मंदिर में ले जाकर पूजा करवाई। ऋषि और उनकी पत्नी 45 मिनट मंदिर में रहे। उन्होंने मुख्य मंदिर के पीछे स्थित एक और मंदिर में जलाभिषेक किया। उनकी सुरक्षा को लेकर मंदिर के अंदर और बाहर कड़े इंतजाम किए गए थे। सुनक ने अक्षरधाम मंदिर जाने की बात कही थी। एक न्यूज एजेंसी के साथ बातचीत में उन्होंने कहा- मुझे हिंदू होने पर गर्व है। मैं इसी तरह पला-बढ़ा हूं और मैं ऐसा ही हूं। मैंने रक्षा बंधन मनाया था। समय न होने की वजह से मैं जन्माष्टमी नहीं मना पाया था। लेकिन उम्मीद है कि इसकी भरपाई किसी मंदिर में जाने से होगी। यह विश्वास ही है, जो हमें मजबूती देता है। सुनक जी 20 समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने के बाद ये उनका पहला भारत दौरा है। जी 20 समिट से एक दिन पहले 8 सितंबर को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने ब्रिटिश काउंसिल हेडक्वार्टर में एक स्थानीय स्कूल के कुछ बच्चों के साथ कुछ पल बिताए। उनसे बातचीत की और फुटबॉल भी खेली। ऋषि सुनक (43) अक्टूबर 2022 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने थे। सुनक ब्रिटेन के पहले भारतवंशी और गैर श्वेत प्रधानमंत्री हैं। सुनक भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनी इन्फोसिस के को-फाउंडर एनआर नारायणमूर्ति के दामाद हैं। अक्षता, नारायणमूर्ति की बेटी हैं। ऋषि सुनक के पेरेंट्स पंजाब के रहने वाले थे, जो विदेश में जाकर बस गए थे। सुनक का जन्म 12 मई 1980 को ब्रिटेन के हैंपशायर में हुआ था। ऋषि ने अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से एमबीए किया और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से राजनीति, दर्शन और अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। राजनीति में आने से पहले ऋषि ने इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन साक्स और हेज फंड में काम किया। इसके बाद उन्होंने इन्वेस्टमेंट फर्म की भी स्थापना की। उनकी मां उषा फार्मासिस्ट थीं।

मथुरा से नेपाल जा रहे एलपीजी गैस टैंकर में लगी आग, लगा जाम

अयोध्या। राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-27 पर रविवार की सुबह एक भीषण हादसा हो गया। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मथुरा से नेपाल जा रहा टैंकर एमएच 46-एच 5057 रविवार की सुबह करीब 4 बजे अयोध्या जिले की सीमा में प्रवेश करते हुए रौजागांव ओवरब्रिज के समीप पहुंचा। टैंकर के इंजन में अचानक आग लग गई जिसकी भनक ड्राइवर को लगते ही उसने टैंकर को ओवरब्रिज पर रोककर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन पानी के अभाव में आग नहीं बुझ सकी और लपटें तेज हो गई। ड्राइवर ने मामले की सूचना पुलिस व फायर कंट्रोल रूम को दी। जब तक पुलिस व फायर ब्रिगेडकर्मी मौके पर पहुंचते उससे पहले टैंकर का डीजल टैंक फट गया जिससे आग और भड़क गई। पूरा टैंकर आग की गिरफ्त में आकर धू धू कर जलने लगा। इतने में सीओ सत्येंद्र भूषण तिवारी मय चौकी प्रभारी हवेश त्रिवेदी एसएसआई कोतवाल के साथ मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड के जवानों की मदद से आग पर काबू पाया। हालांकि, आग पर काबू पाए जाने के बाद गैस का रिसाव होने लगा जिसे देखते हुए यातायात रोक दिया गया। जिससे राजमार्ग के उत्तरी पटरी में लंबा जाम लग गया है।

घोसी सीट क्यों हारी भाजपा? पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने बताई ये वजह

आगरा। घोसी उपचुनाव में सपा की जीत के बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा बिलकुल भी निराश नजर नहीं आए। उन्होंने उपचुनाव में भाजपा की हार की वजह बताते हुआ कहा कि सपा की सीट थी घोसी, चली गई... हमने उनकी दो जीतीं। लखनऊ के मेयर व पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे और अब के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा ने नगर निगम के पार्षदों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए। आगरा नगर निगम के पार्षदों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत शनिवार को हुई। इस कार्यक्रम में आए पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने पार्षदों को जीत का मंत्र दिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हाल में ही आए घोसी उपचुनाव परिणाम को लेकर भी चर्चा की। बातचीत में दिनेश शर्मा ने घोसी सीट पर भाजपा की हार की वजह बताते हुआ कहा कि यह सीट सपा की थी, चली गई, लेकिन भाजपा ने सपा की रामपुर और आजमगढ़ जैसी सीटों को छीना है। अखिलेश यादव अपनी समीक्षा करें। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर कमल खिलेगा।

जी 20 : राजघाट पर एकत्र हुए पीएम मोदी समेत जी20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष, बापू को श्रद्धांजलि व पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। भारत में जी20 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन सभी नेता दिल्ली में राजघाट पर एकत्र हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के प्रधानमंत्री ली कियांग, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और अन्य राष्ट्राध्यक्षों ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि और पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार सुबह राजघाट पर जी20 नेताओं की अगवानी की। पीएम मोदी ने जी20 नेताओं को 'अंगरखा' पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान पृष्ठभूमि में 'बापू कुटी' का चित्र दिखाई दिया। महाराष्ट्र में वर्धा के पास सेवाग्राम आश्रम में स्थित 'बापू कुटी' 1936 से लेकर 1948 में महात्मा गांधी के निधन तक उनका निवास स्थान था। प्रधानमंत्री जी20 नेताओं को 'बापू कुटी' के महत्व के बारे में समझाते नजर आए। महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद जी20 नेताओं ने लीडर्स लाउंज में 'शांति दीवार' पर हस्ताक्षर भी किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, 'राजघाट पर जी 20 परिवार ने शांति, सेवा, करुणा और अहिंसा के प्रतीक महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। जैसे-जैसे विविध राष्ट्र एकजुट हो रहे हैं, गांधी जी के शाश्वत आदर्श सामंजस्यपूर्ण, समावेशी और समृद्ध वैश्विक भविष्य के लिए हमारी सामूहिक दृष्टि का मार्गदर्शन करते हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वाधीनता संग्राम का बीज मंत्र- 'भारत' माता की जय, तब बहस क्यों

हृदयनारायण दीक्षित

भारत नाम वैसा ही है। भारत का एक भूगोल है, रूप है। इस रूप में पवित्र नदियों का प्रवाह है। आकाश छूने को व्याकुल पहाड़ हैं। दिव्य और भव्य मंदिर हैं। हजारों वर्षों में फैला इतिहास है। अद्वैत दर्शन का जन्म यहीं हुआ। पूर्व मीमांसा, न्याय व वैशेषिकदर्शन का विकास यहीं हुआ और लोकायत का भी। यहां विश्ववरेण्य संस्कृति है। अनेक भाषाएं हैं। अनेक बोलियां हैं। दुनिया की सबसे अनुशासित और रसपूर्ण भाषा संस्कृत का विकास यहीं हुआ। यहां के लोगों का मन भारत की आत्मीयता में रमता है। भारत तमाम संभावनाओं से भरा पूरा एक बीज है। सभी बीजों में पौध होने, पौध में पत्तियां उगने, पत्तियों में फूल खिलने और फूलों से बीज बनने की अनंत संभावनाएं होती हैं। भारतीय इतिहास में श्रेय और प्रेय की प्राप्ति के अनुकरणीय उदाहरण हैं। ऐसे राष्ट्र देवता और उसके नाम को स्मरण रखना हम सबका कर्तव्य है।

देश के नाम को लेकर अच्छी खासी बहस चल पड़ी है। भारत अति प्राचीन नाम है। इस नामकरण के पीछे अनेक कथाएं भी चलती हैं। संविधान सभा में 18 सितंबर, 1949 के दिन बहस हुई थी। हरिविष्णु कामथ ने भारत, हिन्दुस्तान, हिन्द भरत भूमि और भारतवर्ष आदि नाम का सुझाव देते हुए दुष्यंत पुत्र भरत की कथा से भारत का उल्लेख किया। मद्रास के केएस सुब्बाराव ने भारत को प्राचीन नाम बताया और कहा कि, 'भारत नाम ऋग्वेद में भी है।' कमलापति त्रिपाठी ने भी भारत के पक्ष में वैदिक और पौराणिक तर्क दिए। स्वाधीनता संग्राम के समय 'भारत माता की जय' पूरे देश का बीज मंत्र बना था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' में चीनी यात्री ईतिसिंग द्वारा देश को भारत कहे जाने का उल्लेख किया है। भारत दुनिया का प्राचीनतम राष्ट्र है। राजनैतिक दृष्टि से भारत एक राष्ट्र राज्य है। लेकिन सांस्कृतिक अनुभूति में यह भारत माता है। भारत एक सांस्कृतिक प्रवाह है। एक सतत प्रवाहमान कविता। विश्व कल्याण में तत्पर एक संपूर्ण जीवन दृष्टि। भारत एक विशेष प्रकार की एकात्म प्रकृति है। हजारों वर्ष पुराने इतिहास में भारत ने कभी भी दूसरे देश पर आक्रमण नहीं किया। भारत का अर्थ ही प्रकाश सलंग्नता है। भा का अर्थ प्रकाश और रत का अर्थ सलंग्नता। भारत परम व्योम से धरती में प्रवाहित एक गुनगुनाने योग्य कविता- ऋचा है।

ऋग्वेद के प्रतिष्ठित ऋषि विश्वामित्र गायत्री मंत्र के नाम से चर्चित 'तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात' के दृष्टा रचयिता हैं। ऋग्वेद में उनके बारे में कहा गया है, 'विश्वामित्र के देखे रचे मंत्र सूक्त भारत के जनों की रक्षा करते हैं- विश्वामित्रस्य रक्षति ब्रह्मदं भारतं जनं।' ऋग्वेद वाले विश्वामित्र मंत्र दृष्टा हैं। राम कथा वाले विश्वामित्र राक्षसों का वध कराने वाले हैं। शकुंतला विश्वामित्र की पुत्री थीं। शकुंतला और दुष्यंत के प्रेम से इतिहास प्रसिद्ध भरत का जन्म हुआ। महाभारत (शान्ति पर्व 2.96) के अनुसार इन्हीं भरत के नाम पर इस देश का नाम भारतवर्ष पड़ा। संजय ने धृतराष्ट्र को बताया, 'अत्र ते वर्णयिष्यामि वर्षं भारत भारतम् - आपको भारतवर्ष का वर्णन सुनाता हूं। आगे बताया गया कि यह देश इन्द्र, वैवस्वतमनु, ययाति, अम्ब्रीश, मुचकुन्द, शिवि आदि

सबको प्रिय रहा है। (भीष्म पर्व नवां अध्याय) ऋग्वेद के रचनाकाल में आर्य जनों और गणों में विभाजित थे। ऋग्वेद में भरत जन हैं।

भरतों की विशिष्ट इतिहास परम्परा है। यज्ञ की अग्नि से उनका संपर्क था। भारत कहने से अग्नि का ध्यान होता था। भारत अग्नि का विशेषण बन गया था - त्वं नो असि भारता अग्ने। (2.7.5) भरत और भारत ऋग्वेद में हैं। वैदिक मंत्रों की रचना और गायन के कारण ऋषियों की वाणी को भारती कहा गया। मंत्रों का गायन सरस्वती के तट पर होता था। अग्नि की स्थापना इन्हीं ऋषियों ने की थी। एक मंत्र (3.28) के रचनाकार देवश्रवा और देववात भारत हैं। कहते हैं कि, 'भरत के पुत्र देवश्रवा और देववात भारत ने अग्नि को मंथन द्वारा उत्पन्न किया है। इस मंत्र में ऋषि नाम के साथ भारत जुड़ा हुआ है।' वैदिक इंडेक्स में मैकडनल और कीथ ने ऋग्वेद के उद्धरण देकर भरतों का उल्लेख किया है। संभवतः दुष्यंत पुत्र भरत के कारण ही देश का नाम भारत हुआ। भरतजनों का सजग इतिहासबोध भी भारत नाम पड़ने का कारक हो सकता है। ऋषभ देव की परम्परा में भी भरत हैं। कुछ विद्वान उन्हें भी भारत के नामकरण से जोड़ते हैं। जो भी हो भारत अतिप्राचीन संज्ञा है, इस देश का नाम है।

पुराणों में भी भारत नाम की प्रतिष्ठा है। विष्णु पुराण के ऋषि कहते हैं कि, 'समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो देश है उसे भारत कहते हैं तथा उसकी संतानों (नागरिकों) को भारती कहते हैं - 'उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्। वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः।' गीता में अनेक प्रसंगों में श्रीकृष्ण अर्जुन को भारत कहते हैं। भारतवासी होना सौभाग्य का विषय है। दुनिया की सभी प्राचीन सभ्यताओं में देवता हैं। उन्हें दिव्य जाना गया है। उनकी उपासना होती है। वे भारत भूमि में जन्म लेने की इच्छा व्यक्त करते हैं। एक सुन्दर श्लोक में कहा गया है, 'देवतागण भारत देश के उत्कर्ष का गान करते हुए यहां पर स्वयं जन्म लेने की इच्छा प्रकट करते हैं झ गायन्ति देवाः किल गीतिकानि धन्यास्तु ते भारतभूमिभागे। स्वर्गापवर्गास्पदहेतुभूत भवन्ति भूयः पुरुषाः सुरत्वात।' भारत निवासी घर परिवार के सभी अनुष्ठानों में संकल्प मंत्र का पाठ करते हैं। संकल्प मंत्र में 'जम्बूद्वीपे भारतखण्डे' शब्द का प्रयोग हुआ है। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम भारत भक्ति का ही गीत है। इसी तरह राष्ट्रगान भी।

कुछ विद्वान नाम को महत्वपूर्ण नहीं मानते। अपनी बात के समर्थन में शेक्सपियर का उल्लेख करते हैं कि 'नाम में क्या रखा है?' नाटक की नायिका जूलिएट ने प्रेमी रोमियो से कहा था कि, 'तुम अपना कुल नाम लिखते हो। यह निरर्थक है। तुम रोमियो हो। मैं तुमसे प्रेम करती हूं। गुलाब को गुलाब कहा जाए या किसी और नाम से पुकारा जाए। नाम से कोई फर्क नहीं पड़ता।' लेकिन यह बात सही नहीं है। तुलसीदास ने नाम की महिमा बताई है। रामचरितमानस बालकाण्ड में तुलसीदास ने श्रीराम सहित सभी देवताओं को नमस्कार किया है। आखिर में कहा है कि मैं श्रीराम के नाम को नमस्कार करता हूं। यह नाम महामंत्र है। कहते हैं, 'कोई विशेष रूप भी बिना नाम के नहीं पहचाना जा सकता। रूप के बिना नाम का स्मरण करने से विशेष प्रेम के साथ वह हृदय में बैठ जाता है।' एक सुन्दर चैपाई में कहते हैं, 'नाम रूप गति अकथ कहानी/समझत सुखद न परहि बखानी।'

भारत नाम वैसा ही है। भारत का एक भूगोल है, रूप है। इस रूप में पवित्र नदियों का प्रवाह है। आकाश छूने को व्याकुल पहाड़ हैं। दिव्य और भव्य मंदिर हैं। हजारों वर्षों में फैला इतिहास है। अद्वैत दर्शन का जन्म यहीं हुआ। पूर्व मीमांसा, न्याय व वैशेषिकदर्शन का विकास यहीं हुआ और लोकायत का भी। यहां विश्ववरेण्य संस्कृति है। अनेक भाषाएं हैं। अनेक बोलियां हैं। दुनिया की सबसे अनुशासित और रसपूर्ण भाषा संस्कृत का विकास यहीं हुआ। यहां के लोगों का मन भारत की आत्मीयता में रमता है। भारत तमाम संभावनाओं से भरा पूरा एक बीज है। सभी बीजों में पौध होने, पौध में पत्तियां उगने, पत्तियों में फूल खिलने और फूलों से बीज बनने की अनंत संभावनाएं होती हैं। भारतीय इतिहास में श्रेय और प्रेय की प्राप्ति के अनुकरणीय उदाहरण हैं। ऐसे राष्ट्र देवता और उसके नाम को स्मरण रखना हम सबका कर्तव्य है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संपादकीय

हास्यास्पद विचार

हिमाचल प्रदेश के मंड़ी स्थिति भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के निदेशक लक्ष्मीधर बेहरा ने बेहद विवादित बयान दिया है। बेहरा ने कहा पशुओं पर क्रूरता के कारण प्रदेश में भूस्खलन व बादल फटने की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने छात्रों से आह्वान करते हुए दावा किया कि अगर हम ऐसा करते रहे तो प्रदेश में और गिरावट आएगी। आप वहां जानवरों को मार रहे हैं, खासकर निर्दोष जानवरों को। इसका पर्यावरण क्षरण के साथ ही सहजीवी संबंध भी है। बार-बार भू-स्खलन, बादल फटना और कई चीजें होने को उन्होंने इससे जोड़ा। उनके अनुसार ये सभी पशुओं पर क्रूरता का प्रभाव है। सोशल मीड़िया पर इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया। तमाम इंजीनियर व आईआईटी के प्रोफेसरों ने इसे बेबुनियादी तर्क कहते हुए खारिज किया। बीते साल भी बेहरा के दावे पर काफी मसखरी की गई थी। उनके यह कहने पर कि मंत्रों के जाप से बुरी आत्माओं से छुटकारा मिलता है। यह उन्होंने अपने दोस्त व उसके परिवार के साथ करके देखा है। शिक्षित होने के बावजूद धार्मिक आडंबरों व रूढ़ियों के दबाव में रहने वाले परिवारों के बच्चे अकसर इस तरह की बातें करते हैं। मगर उच्चतम शैक्षणिक संस्धान के प्रतिशिष्ठित पद पर बैठे शिक्षक की ये बातें न केवल हास्यास्पद कही जाएंगी बल्कि उनके ज्ञान पर भी संदेह व्यक्त किया जाएगा। इस तरह की दकियानूसी बातें करके वे न केवल अपनी बल्कि वैश्विक पटल पर देश की छवि भी धूमिल कर रहे हैं। दुनिया का बहुत बड़ा वर्ग मांसाहारी है। अपने ही देश की सत्तर फीसद आबादी पारंपरिक तौर पर मांसादि खाती है। फिर उसका असर बेहरा को केवल उक्त प्रदेश पर ही कैसे नजर आया? तर्कहीन बातें करना और निजी विचारों के चश्मे से समूचे समाज को व्याख्यायित करना छिछली सोच का नतीजा है। ऐसे अध्यापकों से यह उम्मीद रखना ही बेमानी है कि वे अपने छात्रों को सर्व वर्गों का सम्मान व मानवता का पाठ पढ़ाएंगे। राज्य व केंद्र सरकारइस तरह के बे-सिर पैर के बयानों पर उन्हें दंड़ित करे और सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को कहे। उन्हें ऐसे किसी अध्ययन का जिम्मा देकर शोध कराया जाए, जिसके नतीजों से उनका और दुनिया भर का लाभ हो सकता है।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है।

हमारे ज्ञान की क्षमता भी ऐसी है कि हम अनंतधर्मा द्रव्य को नहीं जान सकते। हम अनंत-धर्मात्मक द्रव्य के एक धर्म को जानते हैं और एक ही धर्म का प्रतिपादन करते हैं। एक धर्म को जानना और एक धर्म को कहना नय है। यह अनेकांत और स्याद्वाद का मौलिक स्वरूप है। उनका दूसरा स्वरूप है प्रमाण। अनंत-धर्मात्मक द्रव्य को जानना और उसका प्रतिपादन करना प्रमाण है। हम अनंतधर्मा द्रव्य को किसी एक धर्म के माध्यम से जानते हैं। इसमें मुख्य और गौण दो दृष्टिकोण होते हैं। द्रव्य के अनंत धर्मो में से कोई एक धर्म मुख्य हो जाता है और शेष धर्म गौण। नय हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिसमें हम केवल धर्म को जानते हैं, धर्मो को नहीं जानते। प्रमाण हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिससे हम एक धर्म के माध्यम से समग्र धर्मो को जानते हैं।

जी-20 का शिखर सम्मेलन बनाम पर उपदेश कुशल बहुतेरे

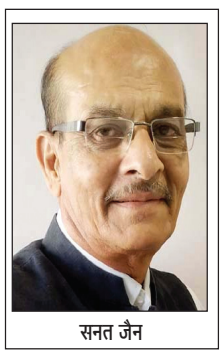

सनत जैन

जी-20 के शिखर सम्मेलन में भारत को घोषणा पत्र के एजेंडा को बनाने में सफलता हासिल हुई है। सर्वसम्मति से सभी 83 बिंदुओं पर घोषणा पत्र पर सहमति बना ली गई है। अफ्रीकी यूनियन को जी 20 का नया सदस्य बनाया गया है। वैश्विक पर्यावरण के लिए एक नया एलाइंस बनाने पर सहमति हो गई है। भारत जी -20 के शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है। घोषणा पत्र को लेकर सदस्य देशों के बीच में जो विवाद था।भारत के कूटनीतिक और व्यापारिक संबंधों का उपयोग करते हुए जो प्रयास किए। उसमें भारत को सफलता हासिल हुई। सभी 83 बिंदुओं पर सहमति बना ली गई। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, यूक्रेन युद्ध के स्थान पर सारी दुनिया में स्थाई शांति का प्रस्ताव लाकर सहमति बनाई। वहीं परमाणु युद्ध की धमकी के मामले में रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा कहे गए शब्द, यह युद्ध का काल नहीं है। इसका उपयोग करते हुए परमाणु हमले को रोकने के लिए सहमति बनाई गई। भारत ने जी-20 देश की बैठक में चंद्रयान-3 मिशन के लिए भी भारत के लिए बधाई हासिल कर ली। यह भारत की सफलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करते हुए, दूसरे देश की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता एवं अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानूनो का पालन करने का प्रस्ताव शामिल किया। निश्चित रूप से जी-20 के शिखर सम्मेलन में जो प्रस्ताव शामिल किए गए हैं उनमें केवल चर्चा नही होनी चाहिए, सम्मेलन में जो निर्णय लिए जाए उनका अक्षरस पालन करने की जिम्मेदारी भी सदस्य देशों की होनी चाहिए। तभी इस तरीके की बैठको और सम्मेलन की सार्थकता होगी।

ऋ20 की बैठक में व्यक्तियों के अधिकार,धार्मिक प्रतीकों, पवित्र पुस्तकों के विरुद्ध दुष्प्रचार का विरोध करते हुए यह कहा गया है की सारी दुनिया के देश, धर्म, आस्था और विश्वास स्वतंत्रता में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने का अधिकार, एक दूसरे पर आश्रित सामाजिक संबंधों को मजबूत करने, धर्म या आस्था के आधार पर सभी प्रकार की अशुद्धता और भेदभाव के विरुद्ध लड़ाई में सभी देशों की भूमिका होनी चाहिए। आतंकवाद को लेकर भी घोषणा पत्र में कहा गया है, कि सभी धर्म की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की जाए। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए इसे सबसे गंभीर खतरा बताया गया है। घोषणा पत्र के अनुसार एक समग्र दृष्टिकोण और एक अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की बात कही गई है। आतंकवादी समूह की सुरक्षित पनाहगाह, आतंकवाद गतिविधियां संचालन की स्वतंत्रता, बिना रोकटोक आवाजाही, उनके वित्तीय और भौतिक मदद को रोकने के लिए भी प्रस्ताव में चर्चा होगी। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की भावना और निर्णय को प्रभावशाली ढंग से लागू किया जाए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकासशील एवं गरीब देश के हितों को लेकर भी चचाएं होंगी। बैठक में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की भूमिका को लेकर भीॅ20 के शिखर सम्मेलन में चर्चा होगी।ॅ20 का यह पहला शिखर सम्मेलन नहीं है, जी-20 के सम्मेलन में इसी तरह के निर्णय पहले भी लिए जा चुके हैं। यह सब कागजों और घोषणाओं तक सीमित रहते हैं। आम सहमति बनती है, लेकिन इसका कोई क्रियान्वय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होता हो।ऐसा दिखता नहीं है।सारी दुनिया के देशों में जिस तरह से युद्ध का माहौल देखने के लिए मिल रहा है। व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और कर्ज की अर्थ व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के देशों के बीच मतभेद बढ़ते ही जा रहे हैं। पर्यावरण की दृष्टि से सारी दुनिया के देश विशेष रूप से गरीब और विकासशील देशों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। विकसित राष्ट्र लगातार कई दशकों से पर्यावरण को लेकर जो प्रस्ताव और कानून अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार किए गए। उसका पालन नहीं किया गया। इसका खामियाजा गरीब और विकासशील देशों को लंबे समय से उठाना पड़ रहा है। चिंता जताना अलग बात है, उन चिंताओं का समाधान होना अलग बात है ।संयुक्त राष्ट्र संघ और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सभी संस्थाओं के होते हुए भी पिछले एक वर्ष से ज्यादा समय से यूक्रेन और रूस के बीच में युद्ध चल रहा है। इन सभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की कोई कारगर भूमिका साबित नहीं हुई है। समरथ को नहीं दोष गुसाईं की तर्ज पर समर्थ देश अपनी मनमानी कर रहे हैं। उसको रोकने का प्रयास और साहस अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं मैं नहीं दिखा।

नाही समर्थ देशों ने उनकी परवाह की। जिसके कारण एक बार फिर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध जैसे हालात, दुनिया के सभी देशों के बीच में देखने को मिलाने लगे हैं। जी-20 का यह शिखर सम्मेलन एक सार्थक ,सफल सम्मेलन के रूप में दुनिया में एक इतिहास बनाये। जिन विषयों को शामिल किए गया है। उनमें जो भी निर्णय लिए जाएं, उनका पालन सभी देश पूरी ईमानदारी के साथ करें। दुनिया को एक नई दिशा और दशा इस शिखर सम्मेलन से मिले। यह सम्मेलन सारी दुनिया के लिए एक उपदेश की तरह ना हो। सभी देश लिए गए निर्णय का ईमानदारी के साथ पालन करें। सारी दुनिया के देशों में स्थाई शांति स्थापित हो। जियो और जीने दो के सिद्धांत पर आधारित सम्मेलन तभी सफल होगा और विश्व बंधुत्व की भावना सभी देशों के लिए हितकारी रूप में सामने आएगी।

जी-20 : सांस्कृतिक छाया में शिखर बैठक

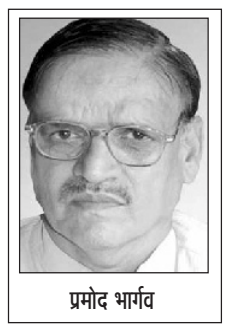

प्रमोद भार्गव

दिल्ली में जी-20 सम्मेलन इस बार सनातन संस्कृति की छाया में होगा। इसी भाव को दृष्टि में रखते हुए शिखर सम्मेलन स्थल पर भगवान शिव की 28 फीट ऊंची 'नटराज' प्रतिमा को प्रतीक रूप में स्थापित किया गया है।

इस प्रतिमा में शिव के तीन प्रतीक-रूप परिलक्षित हैं। ये उनकी सृजन यानी कल्याण और संहार अर्थात विनाश की ब्रह्मांडीय शक्ति का प्रतीक हैं। अष्टधातु की यह प्रतिमा प्रगति मैदान में 'भारत मंडपम' के द्वार पर लगाई गई है।

इस प्रतिमा की आत्मा में सार्वभौमिक स्तर पर सर्व-कल्याण का संदेश अंतर्निहित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसी शात दर्शन से भारतीय संस्कृति के दो सनातन शब्द लेकर 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार को सम्मेलन शुरू होने के पूर्व प्रचारित करते हुए कहा है कि 'पूरी दुनिया एक परिवार है। यह ऐसा सर्वव्यापी और सर्वकालिक दृष्टिकोण है, जो हमें एक सार्वभौमिक परिवार के रूप में प्रगति करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक ऐसा परिवार जिसमें सीमा, भाषा और विचारधारा का कोई बंधन नहीं है। जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान यह विचार मानव केंद्रित प्रगति के आह्वान के रूप में प्रकट हुआ है। हम एक धरती के रूप में मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं, जिससे सब एक-दूसरे के सहयोगी बने रहें और समान एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए एक साथ आगे बढ़ते रहें।' विश्व कल्याण का यह विचार आज तक किसी अन्य देश के राष्ट्र प्रमुख ने नहीं दिया। क्योंकि ये देश असामनता के संदर्भ में ही अपने पूंजीवादी, बाजारवादी और उपभोक्तावादी एजेंडे को आगे बढ़ाते रहे हैं। पश्चिमी देशों द्वारा हथियारों का उत्पादन और फिर उनके खपाने का प्रबंध कई देशों की प्रत्यक्ष लड़ाई और देशों के भीतर ही धर्म और संस्कृति के अंतर्कलहों में हम देखते रहे हैं। अतएव विव्यापी भाईचारे के लिए वसुधैव कुटुंबकम् से उत्तम कोई दूसरा विचार हो ही नहीं सकता।

थोड़ा ठहरकर शिव के 'नटराज' रूप के प्रतीक रहस्यों को समझ लेते हैं। यह प्राचीन कथा स्कंद पुराण में मिलती है। यह शिव के थिलाई-वन में घूमने और इसी वन में ऋषियों के एक समूह के रहने से जुड़ी है। थिलाई वृक्ष की एक प्रजाति है, जिसका चितग्रमंदिर की प्राचीरों पर भी मिलता है। परिवार सहित रहने वाले ये ऋषि मानते थे कि मंत्रों की शक्ति से देवताओं को वश में किया जा सकता है। एक दिन शिव दिगम्बर रूप में अलौकिक सौंदर्य और आभा के साथ इस वन से गुजरे। शिव के इस मोहक रूप से ऋषि पत्नियां मोहित हो उठीं और यज्ञ एवं साधना से विचलित होकर शिव के पीछे दौड़ पड़ीं इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से साधुगण क्रोधित हो उठे और उन्होंने मंत्रों का आह्वान कर शिव के पीछे विषैले सर्प छोड़ दिए। शिव ने सपरे को गहना मानकर एक को गले में, एक को शिखा पर और एक को कमर में धारण कर लिया। शिव का यह उपक्रम वन्य जीवों के संरक्षण द्योतक है। कलात्मक ढंग से जीने का सत्य-चित्त आनंद अर्थात सच्चिदानंद के साथ जीना ही श्रेस्यकर है। इन सब को शिव के वशीभूत देखा, तब ऋषि ईर को ही सत्य मानते हुए शिव के समक्ष समर्पण कर देते हैं। गोया इस प्रतीक में विश्व कल्याण का संदेश प्रकट है। इन्हीं संदेशों की कड़ी में भारतीय प्रधानमंत्री का मानना है कि कोविड महामारी ने विश्व व्यवस्था को बदल दिया है।

नतीजतन तीन महत्त्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। पहला; यह अनुभव हो रहा है कि दुनिया के जीडीपी केंद्रित दृष्टिकोण से हटकर मानव केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। दूसरा, दुनिया वैंकि सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विसनीयता के महत्त्व को पहचान रही है। तीसरा, वैंकि संस्थानों में सुधार के माध्यम से बहुपक्ष को बढ़ावा देना। ये प्रयोजन सिद्ध हो जाते हैं तो एक बड़ा वैंकि मानव समुदाय चैन की नींद सोने लायक हो जाएगा, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी देश गुटों में विभाजित हैं, जबकि भारत विभिन्न पांच मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जुटा है। इन मुद्दों में रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति, महंगाई पर नियंत्रण और खाद्य-आपूर्ति, ऊर्जा, हथियारों की होड़ और जलवायु परिवर्तन। भारत की कोशिश है कि इन पांच मुद्दों पर सम्मेलन के अंतिम दिन एक संयुक्त बयान जारी हो जाए इस पर सहमति बनने का दावा किया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

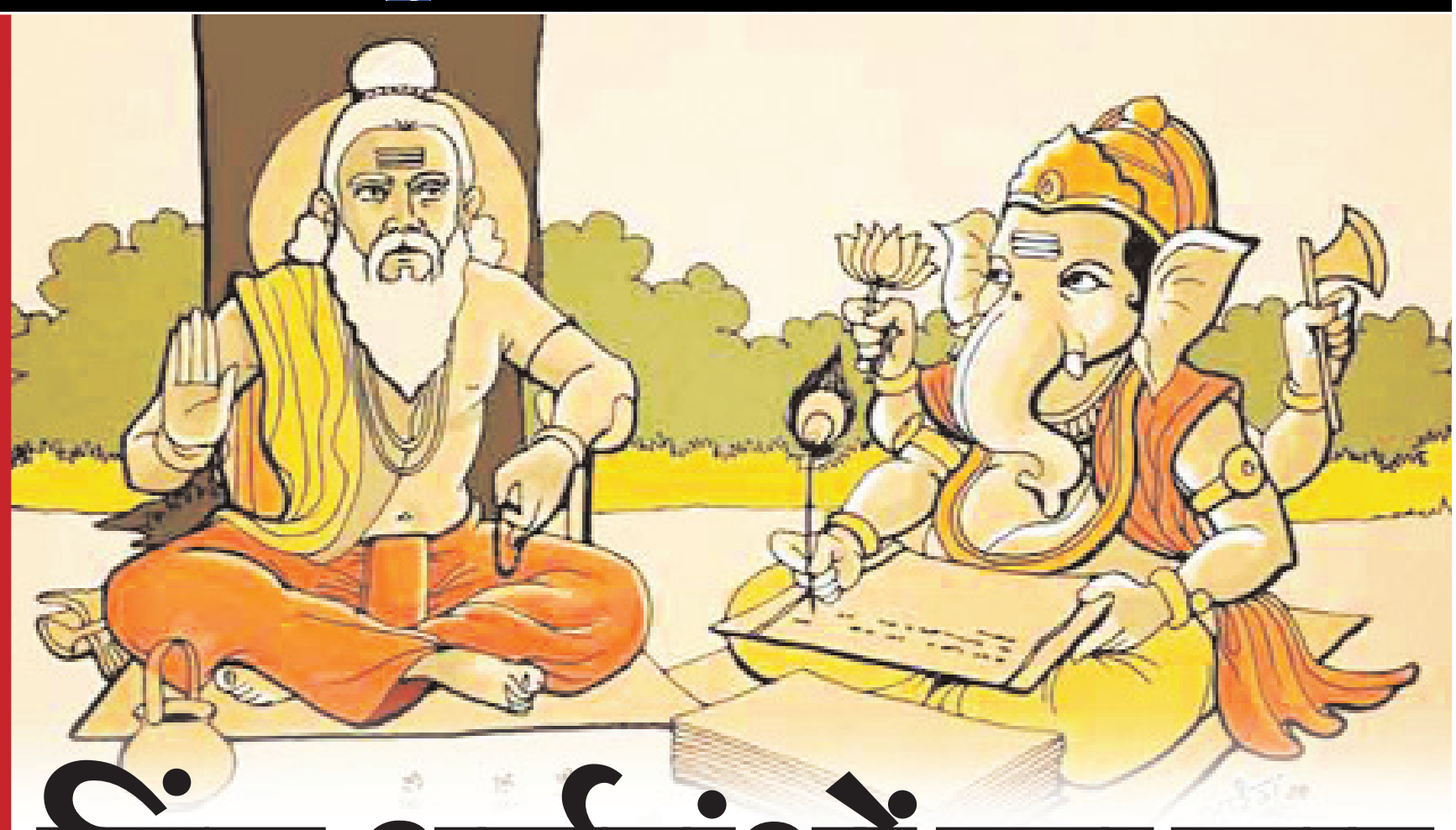

हिंदू धर्मग्रंथों का सार

जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है- श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख?या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति-रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमश: चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रम्हांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं- शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी-बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे- 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10. बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अत: वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार-बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वत: ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धूरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्मा की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह-नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं- एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग-अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलत: 2 तरह की गतियां होती हैं- 1.अगति और 2.गति।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं- 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4. दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुन: पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों-सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट-कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार- गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं- 1. ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं- अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति-विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति-विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णत: अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह-नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग-अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग-अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं- मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम् और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम्, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है- गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म-कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म-कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे- 1.व्रत, 2. सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता-पिता, फिर बहन-बेटी, फिर भाई-बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न-जल देना- ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रंथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3. निकृष?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश ?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण ?य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं- ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न-जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णण यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा-पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं- 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3. कीर्तन और 4.पूजा-आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग-अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द-गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलत: अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता-पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं।

यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग-अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न-भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं- 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4. योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंचा ऑस्ट्रेलिया

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ब्लोमफ़ोन्टेन में पहले दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में जीत दर्ज करके आईसीसी वनडे रैंकिंग में पाकिस्तान की जगह फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल कर ली।

डेविड वार्नर और मार्नस लाबुशेन के शतकों की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में 123 रन से बड़ी जीत दर्ज की। उसने पहला मैच तीन विकेट से जीता था। दूसरे वनडे में जीत से ऑस्ट्रेलिया के कुल 121 रेटिंग अंक हो गए हैं और उसने पाकिस्तान को एक रेटिंग अंक से पीछे छोड़ दिया है।

भारत 114 रेटिंग अंकों के साथ आईसीसी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है। पिछले साल उतार-चढ़ाव वाले अभियान के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वनडे रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया था। उसे 2022 में श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था और जिंबाब्वे ने भी उसे एक मैच में हराया था।

ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि इसके बाद न्यूजीलैंड और इंग्लैंड को 3-0 के समान अंतर से पराजित किया। इसके बाद उसने मार्च 2023 में भारत को उसकी धरती पर हराया और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले दो मैचों में जीत दर्ज की। पाकिस्तान अभी एशिया कप में खेल रहा है और ऐसे में समीकरण बदल भी सकते हैं।

किरण जार्ज ने जीता इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। मेदान (इंडोनेशिया) = भारत की युवा सनसनी किरण जॉर्ज ने रविवार को जापान के कू ताकाहाशी को 21-19,22-20 से हरा कर इंडोनेशिया मास्टर्स ट्रॉफी के पुरुष एकल का खिताब अपने नाम कर लिया है।

किरण ने 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में दुनिया के 82वें नंबर के खिलाड़ी ताकाहाशी को सीधे सेटों में धूल चटाई। मैच की शुरुआत में पिछड़ने के बाद किरण ने अपने गेम में सुधार करते हुए ताकाहाशी से 18-15 की बढ़त हासिल कर ली। ताकाहाशी ने हालांकि एक समय इस अंतर को 19-20 कर दिया मगर किरण ने गेम जीत कर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। स्कोर एक समय 6-6 की बराबरी पर था लेकिन किरण ने 16-11 की बढत बना ली। ताकाहाशी ने हार नहीं मानी और स्कोर 19-19 कर दिया किरण इस बीच पहला मैच प्वाइंट भुनाने में नाकाम रहे लेकिन दूसरा मैच प्वाइंट भुना कर उन्होंने मुकाबला जीत लिया।

प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी के निदेशक और पूर्व राष्ट्रीय कोच विमल कुमार ने कहा, 'यह शानदार जीत है, यह इन अवसरों को भुनाने और लगातार अच्छा खेलने के बारे में है। देश के अन्य खिलाड़ी भी युवा और समान रूप से अच्छे हैं, इसलिए मैं उनसे काफी खुश हूं।% इस साल जनवरी में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 43वें नंबर पर पहुंचने वाले किरण ने बीते मई-जून में थाईलैंड ओपन में चीन के शीर्ष खिलाड़ियों शी युकी और वेंग होंगयांग को हराकर अपना दमखम दिखाया था।

केएल राहुल के वनडे में 2 हजार रन पूरे, 6 महीने बाद की टीम इंडिया में वापसी

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने 6 महीने बाद टीम इंडिया में वापसी की है। जिसके बाद उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते ही बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। दरअसल, श्रीलंका के कोलंबो में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले में राहुल ने 14 रन बनाकर अपने वनडे करियर में 2 हजार रन पूरे कर लिए हैं। इसके साथ ही ये कारनामा करने वाले वो तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने सबसे तेज 2000 रन पूरे किए हैं।

एशिया कप सुपर-4 स्टेड के इस मुकाबले में राहुल को श्रेयस अय्यर की जगह टीम में मौका मिला है। इससे पहले ही लीग मैचों में राहुल टीम से बाहर थे। फिलहाल केएल राहुल ने 28 गेंदों में 2 चौकों की मदद से 17 रन बनाए हैं। लेकिन बारिश के चलते मुकाबला रुका हुआ है।

वनडे फॉर्मेट में 2 हजार रन पूरे करने वाले केएल राहुल तीसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने 55 वनडे मैचों में 53वीं पारी में ये कीर्तिमान अपने नाम किया है। उनके अलावा इस लिस्ट में विराट कोहली इतनी ही पारियों में उनसे पहले ये मुकाम हासिल करने वाले खिलाड़ी हैं।

वहीं भारत के लिए सबसे तेज 2 हजार रन शिखर धवन ने बनाए हैं। धवन ने ये कारनामा महज 48 पारियों मं किया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर संयुक्त रूप से पूर्व खिलाड़ी सौरव गांगुली और नवजोत सिंह सिद्धू हैं। इन दोनों ने ही 52 पारियों में दो हजार रन पूरे किए थे। इसके बाद तीसरे नंबर पर केएल राहुल और विराट कोहली हैं।

टीम इंडिया के लिए तिहरा शतक लगा चुके नायर खेलेंगे काउंटी क्रिकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के लिए तिहरा शतक लगा चुके भारतीय बल्लेबाज करुण नायर काउंटी क्रिकेट खेलेंगे। उन्होंने इस सीजन में काउंटी चैम्पियनशिप के बचे हुए तीन मैचों में खेलने के लिए इंग्लिश काउंटी टीम नार्थम्पटनशर से करार किया। गौरतलब है कि भारत के लिए छह टेस्ट खेलने वाला यह 31 वर्षीय खिलाड़ी सैम वाइटमैन की जगह लेगा जो ऑस्ट्रेलिया लौट गये हैं। नायर ने एक बयान में कहा है कि मैं नार्थम्पटनशर से जुड़ने और काउंटी चैम्पियनशिप में खेलने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि आप

काउंटी क्रिकेट के बारे में काफी कुछ सुनते हो और मैं जानता हूं कि पृथ्वी शॉ जब टीम के साथ थे, उन्होंने काफी लुत्फ उठाया था इसलिये काउंटी में खेलने का मौका मिलने से उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि में उम्मीद करता हूं कि मैं टीम के लिये योगदान दे सकूं।

जोधपुर में जन्में करुण नायर शुक्रवार को ब्रिटेन पहुंच गए और रविवार को वारविकशर के खिलाफ होने वाले मैच से पहले वह नार्थम्पटनशर से जुड़ जाएंगे। वह वीरेंद्र सहवाग के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय हैं। उन्होंने यह उपलब्धि दिसंबर 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में नाबाद 303 रन बनाकर हासिल की थी। करुण नायर ने भारत के लिए अब तक 6 टेस्ट और 2 वनडे मैच खेले हैं। नायर ने खेले गए 6 टेस्ट में 62।3 की औसत से 376 रन बनाए हैं। इसके अलावा वनडे में उन्होंने 23 की एवरेज से 46 रन बनाए हैं। वहीं नायर आईपीएल का भी हिस्सा रह चुके हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स के नए कोच बने जस्टिन लैंगर, टीम में हुए कई और बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के शुरू होने में अभी कई महीने शेष हैं, लेकिन कुछ टीमों ने अभी से तैयारियां करनी शुरू कर दी है। इन्हीं टीमों में लखनऊ सुपर जायंट्स का भी नाम शामिल है। शुरूआती दो सीजन में एलएसजी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर रहे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने आगामी सीजन से पूर्व उन्हें अपने बेड़े से बाहर का रास्ता दिखा है। फ्लावर की जगह आईपीएल 2024 में लखनऊ की टीम ऑस्ट्रेलियाई पूर्व कोच जस्टिन लैंगर की देखरेख में शिरकत करेगी। टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले बात करें एलएसजी के प्रमुख स्टाफ के बारे में तब पिछले दो सीजन की तरह इस बार भी लखनऊ की कमान केएल राहुल के हाथों में ही रहेगी। राहुल के अलावा टीम के मेंटर गौतम गंभीर बने हुए हैं। बीच में खबरें थी कि गंभीर अपनी पुरानी टीम केकेआर के साथ जुड़ सकते हैं, लेकिन ये खबरें केवल अफवाह रहीं।

एलएसजी के मुख्य कोच अब जस्टिन लैंगर है। वहीं असिस्टेंट कोच के रूप में फ्रेंचाइजी ने दो दिग्गजों को अपने बेड़े में शामिल किया है। इसमें श्रीधरन श्रीराम और विजय दहिया का नाम शामिल है। फ्रेंचाइजी ने अफ्रीकी पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। वहीं स्पिन गेंदबाजी कोच भारत के घरेलू होनहार क्रिकेटर प्रवीण तांबे हैं। आगामी सीजन के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने अफ्रीकी पूर्व दिग्गज क्रिकेटर जोंटी रोड्स को अपना फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। इसके अलावा स्ट्रेटेजिक कंसलटेंट एमएसके प्रसाद बने हैं।

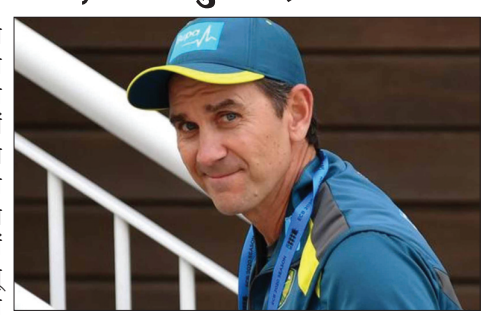

आईपीएल 2024 एलएसजी के प्रमुख स्टाफ में कैप्टन-केएल राहुल, मेंटर-गौतम गंभीर, हेड कोच में जस्टिन लैंगर का नाम हैं। वहीं असिस्टेंट कोच में श्रीधरन श्रीराम और विजय दहिया को चुना गया हैं। बॉलिंग कोच के रुप में मोर्ने मोर्कल, स्पिन बॉलिंग कोच के रुप में प्रवीण तांबे का नाम शामिल हैं। फील्डिंग कोच के रुप में जोंटी रोड्स को जोड़ा गया हैं। स्ट्रेटेजिक कंसलटेंट के रुप में एमएसके प्रसाद को शामिल किया गया है।

विश्वकप मैचों के कार्यक्रम में बदलाव करें बीसीसीआई : एचसीए

हैदराबाद (। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अनुरोध किया है कि अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप 2023 के लिए आवंटित मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया जाए । एचसीए ने कहा कि कहा कि उसे लगातार मैचों का आयोजन कराना है और ऐसे में इनके लिए पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराना सुरक्षा एजेंसियों के लिए संभव नहीं होगा । सीसीए ने बीसीसीआई से 29 सितंबर को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले अभ्यास मैच में बदलाव की मांग की है । एचसीए ने कहा कि एक दिन पहले ही गणेश विसर्जन और मिलाद-उन-नबी त्योहारों के कारण पाकिस्तान और न्यूजीलैंड मैच के लिए पर्याप्त सुरक्षा नहीं दे पायेंगे । यह दूसरी बार है जब एचसीए ने बीसीसीआई से एकदिवसीय विश्व कप खेलों की तारीखों में बदलाव की मांग की है । एचसीए के अनुसार सुरक्षा एजेंसियों के लिए नौ अक्टूबर को न्यूजीलैंड बनाम नीदरलैंड और 10 अक्टूबर को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले लगातार दो मैचों में से एक के लिए पर्याप्त सुरक्षा देना संभव नहीं रहेगा । रिपोर्ट के अनुसार हैदराबाद पुलिस के अधिकारियों ने एचसीए से कहा है कि दोनों मैचों के लिए सुरक्षा व्यवस्था को संभालना संभव नहीं है ।

एशियन गेम्स के लिए तैयारी में जुटे कप्तान रुतुराज गायकवाड़

पुणे । एशियन गेम्स के लिए भारत की पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने पुणे में एक प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया । गायकवाड़ ने बल्लेबाजी प्रैक्टिस का वीडियो पोस्ट किया । गायकवाड़ आगामी हांग्जो एशियन गेम्स में अपने पहले अभियान में टीम इंडिया का नेतृत्व करने वाले हैं । एशियन गेम्स इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2023 तक चीन में होंगी । इसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक

पंड्या, मोहम्मद शमी, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में दमदार प्रदर्शन के बाद रिंकू सिंह को एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। अपने शानदार आईपीएल प्रदर्शन के दम पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा और प्रभसिमरन सिंह ने भी टीम में जगह बनाई। गायकवाड़ ने चेन्नई सुपर किंग्ग के लिए 16 मैचों में 590 रन बनाए, जबकि जितेश और रिंकू ने पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए क्रमशः 309 और 474 रन बनाए हैं । गायकवाड़ को एशियन गेम्स में भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि यशस्वी जयसवाल, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट खेल रहे हैं, को टीम में जगह मिली है । शिवम दुबे जो आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के मध्य क्रम की बल्लेबाजी की रीढ़ थे, उन्हें एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में वापस बुलाया गया है ।

एशियाई खेलों के लिए टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) टीम - रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे और प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

खिलाड़ियों की स्टैंडबाय सूची - यश ठाकुर, साई किशोर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा और साई सुदर्शन।

19 साल की कोको गॉफ बनी अमेरिकी ओपन चैंपियन, पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका की किशोरी कोको गॉफ ने आर्यना सबालेंका के खिलाफ अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके अपने करियर का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। फ्लोरिडा की रहने वाली 19 वर्षीय खिलाड़ी गॉफ ने खराब शुरुआत से उबरते हुए 2-6, 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता में दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका का इस हार के बावजूद सोमवार को जारी होने वाली डब्ल्यूटीए रैंकिंग में ईगा स्वियातेक की जगह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनना तय है।

छठी वरीयता प्राप्त गॉफ ने मैच के बाद कहा, 'मैं इस समय खुशी से सरोबार हूं और थोड़ा राहत भी महसूस कर रही हूं। क्योंकि ईमानदारी से कहूं तो इस बार मैं अन्य लोगों के लिए नहीं बल्कि खुद के लिए जीतना चाहती थी।' सेरेना विलियम्स

के 1999 में खिताब जीतने के बाद गॉफ अमेरिका की पहली किशोरी हैं जो किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में महिला एकल की चैंपियन बनी।

गॉफ का मैच देखने के लिए कई दिग्गज हस्तियां पहुंची थी जिनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी शामिल हैं, जिन्होंने बाद में इस खिलाड़ी के लिए बधाई संदेश भी भेजा। गॉफ को चैंपियन बनने पर चमचमाती ट्रॉफी और 30 लाख डॉलर की इनामी राशि मिली। नोवाक जोकोविच और दानिल मेदवेदेव के बीच होने वाले पुरुष एकल के फाइनल के विजेता को भी इतनी ही पुरस्कार राशि मिलेगी।

गॉफ इस जीत से विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी जबकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सबालेंका के लिए राहत की बात यही है कि वह विश्व की शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी बन जाएगी। सबालेंका ने कहा, 'यह भी एक उपलब्धि है और यही वजह है कि मैं बहुत अधिक दुखी नहीं हूं। मैं निश्चित तौर पर इसका जश्न मनाऊंगी।' मैच में सबालेंका ने 49 जबकि गॉफ ने केवल 19 बेजा गलतियां की। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि गॉफ को 83 अंक अर्जित करने के लिए केवल 13 विनर की जरूरत पड़ी। इस तरह से देखा जाए तो सबालेंका ने अपनी गलतियों से मैच गंवाया। उन्होंने कहा,''कुछ अवसरों पर मैं भावुक हो सकती हूं। कोर्ट पर आज मैं कुछ ज्यादा ही सोच रही थी और मैंने उन अंकों को भी गंवाया जिन्हें मुझे हासिल करना चाहिए था।'

एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन करना है लक्ष्य : अभिषेक

बेंगलुरू । भारतीय हॉकी टीम के फॉरवर्ड अभिषेक का लक्ष्य एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन करना है । अभिषेक इन खेलों को लेकर खासे उत्साहित हैं । वह पहली बार किसी इतने बड़े टूर्नामेंट में खेलेंगे । पिछले कुछ समय में 48 मैचों में 18 गोल करके उन्होंने टीम में जगह बनायी है । वह टीम में अपने चयन से बेहद उत्साहित हैं ।

इस खिलाड़ी ने कहा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं । साथ ही कहा कि एशियाई खेल बड़ा टूर्नामेंट है और हम सभी उसके लिए अच्छी तैयारी कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि हम आत्मविश्वास के साथ खेलेंगे क्योंकि हमारा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर टूर्नामेंट से वापसी रहेगा । टीम की तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा कि हमारा सामना इस टूर्नामेंट में कुछ अच्छी टीमों से शी होगा । हम काफी कड़ी मेहनत कर रहे हैं जिससे मैदान पर उतरें तो मानसिक और शारीरिक तौर पर पूरी तरह से फिट हों । एशियाई खेलों में भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उजबेकिस्तान के साथ रखा गया है । अभिषेक ने कहा कि मेरे साथी खिलाड़ी और कोच मेरी काफी सहायता करते हैं । मैं आम तौर पर मनदीप और ललित से सलाह लेता हूं । से दोनो ही मैदान के भीतर और बाहर भी हमेशा सहायता के लिए रहते हैं ।

श्रीलंका ने एशिया कप सुपर फोर मुकाबले में बांग्लादेश को हराया

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने यहां खेले गये एशिया कप क्रिकेट के सुपर फोर मुकाबले में बांग्लादेश को 21 रनों से हराकर अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखा है। श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी कुसल मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा के शानदार अर्धशतकों की सहायता से 9 विकेट पर 257 रन बनाये। मेंडिस ने 6 चौकों और 1 छक्के की मदद से 50 रन बनाए जबकि समरविक्रमा ने 72 गेंदों पर 8 चौकों और 2 छक्के की मदद से 93 रन बनाए। इस प्रकार बांग्लादेश को जीत के लिए 258 रनों का लक्ष्य मिला। जिसका पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम तौहिद के 82 रनों की पारी के बाद भी 235 रन ही बना पायी

और उसे हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंका की ओर से ठीकशाना, शनाका और पथिराना ने 3-3 विकेट लेकर बांग्लादेश को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में श्रीलंका ने पहले खेलते हुए निसांका और करुणारत्ने की बदौलत अच्छी शुरूआत की थी। करुणारत्ने 18 रन बनाकर पेवेलियन लौटेए। इसके बाद निसांका 40 और कुसल मेंडिस 50 ने रन बनाकर स्कोर आगे बढ़ाना जारी रखा। समरविक्रमा ने सबसे अधिक 93 रन बनाए और असलांका व कप्तान शनाका के साथ स्कोर को 250 के ऊपर पहुंचाया। वहीं बांग्लादेश की ओर से तस्कीन अहमद और हसन को 3-3 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरूआत भी अच्छी रही। मोहम्मद नेम ने 21 जबकि मेहदी हसन मिराज ने 28 रन बनाए। लिटन दास 15 रन ही बना पाये कप्तान शाकिब भी तीन रन पर पेवेलियन लौट गये।

कोलंबियाई फुटबॉलर जुआन चिली के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर से बाहर हुए

बगोटा । कोलंबियाई फुटबॉलर जुआन कुआड्राडो चोटिल होने के कारण चिली के खिलाफ होने वाले विश्व कप क्वालीफायर से बाहर हो गये हैं । इंटर मिलान के विंगर जुआन को पैर की मांसपेशियों में चोट लगने के कारण बाहर होना पड़ा है । उन्हें क्वालीफायर में वेनेजुएला पर कैफेटेरोस की 1-0 की घरेलू जीत के दौरान हाफटाइम के बाद मैदान के बाहर जाना पड़ा । ऐसे में जुआन की जगह जॉर्ज कैरास्कल को शामिल किया गया जिन्होंने बैरेंक्विला में एस्टाडियो मेट्रोपोलिटानो में अपनी गति और शैली से सभी का ध्यान खींचा था । डायनेमो मॉस्को के मिडफील्डर के मंगलवार को चिली की राजधानी सैंटियागो के एस्टाडियो मोनुमेंटल में होने वाले मैच खेलने की संभावनाएं हैं । चिली को शुक्रवार को मोंटेवीडियो में उरुग्वे से 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था ।

सिर्फ 8 बार बर्थडे बनाया और मिल गई ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड कप टीम में जगह

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड कप टीम में एक ऐसा खिलाड़ी भी शामिल हुआ है जिसने अभी तक केवल 8 बार ही अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया है । यह खिलाड़ी है सीन एबॉट, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है । बता दें कि वर्ल्ड कप 2023 के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम घोषित कर दी है । भारत की मेजबानी में अक्टूबर-नवंबर में वर्ल्ड कप का आयोजन होना है । 5 अक्टूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच पहला मैच होगा । 5 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी । यह मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में खेला जाएगा । सीन एबॉट दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं,

जिनका जन्म लीप डे यानी 29 फरवरी को हुआ है । एबॉट का जन्म 29 फरवरी 1992 को ऑस्ट्रेलिया के विंडसर में हुआ था । तेज गेंदबाज के साथ ही एबॉट निचले क्रम के काफी उपयोगी बल्लेबाज भी हैं । इसी वजह से उन्हें वर्ल्ड कप की टीम में भी शामिल किया गया है । सीन एबॉट वर्ल्ड कप में खेलने वाले ऐसे पहले क्रिकेटर होंगे जिसका जन्म 29 फरवरी को हुआ है ।

वेंकटेश प्रसाद ने दी सफाई, 'किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, टिकट और कार्यक्रम को लेकर की थी बीसीसीआई की आलोचना'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद सोशल मीडिया पर बेबाक तरीके से अपनी राय रखते रहे हैं। इससे कभी-कभी वह विवादों में भी आ जाते हैं। इस बार वेंकटेश ने एशिया कप में रिजर्व डे नहीं रखे जाने पर सवाल उठाये थे। इस मामले में उन्होंने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) और बांग्लादेश-श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) पर सवाल उठाये थे। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद उन्होंने इस पोस्ट को हटा दिया। वहीं जब एक प्रशंसक ने इस सवाल उठाये तो उन्होंने एक और पोस्ट कर अपनी बात रखी है।

इसमें इस पूर्व तेज गेंदबाज ने लिखा, एक भ्रष्ट अहंकारी व्यक्ति एक ऐसे संगठन की कड़ी मेहनत को खत्म सा कर देता है, जो आमतौर पर भ्रष्ट नहीं है और इससे पूरे नेतृत्व की भ्रष्टाचार में लिप्त होने जैसी छवि बनी है। यह बातें हर क्षेत्र में लागे हो रही हैं।

इस पूर्व क्रिकेटर ने हालांकि अपनी इस पोस्ट में किसी का नाम तो नहीं लिखा पर माना जा रहा है कि उनका संकेत बीसीसीआई की ओर है क्योंकि उन्होंने हाल ही में विश्वकप कप की टिकट बिक्री को लेकर भी सवाल उठाये थे। इसी पोस्ट को जब उन्होंने एक दिन पहले ही हटा दिया तो एक प्रशंसक ने जब इसका कारण पूछा तो इस क्रिकेटर ने कहा , ये एक सामान्य सी पोस्ट थी, जहां मैंने इस बारे में बात की थी कि कैसे एक व्यक्ति जो भ्रष्ट है, वह अपने संगठन के कई अच्छे कामों को खराब कर सकता है और उसकी साख को खराब कर सकता है। मैंने एक अन्य ट्वीट में टिकटों को लेकर बीसीसीआई की विफलता का मामला भी उठाया था। जिससे इसे गलत तरीके से उससे जोड़ दिया गया। इसी लिए मैंने इसे हटा दिया क्योंकि मुझे अपनी बात रखने में किसी से उर नहीं लगता। इससे पहले, वेंकटेश ने एशिया कप में केवल भारत-पाकिस्तान मैच सुपर फोर मैच के लिए रिजर्व डे रखने पर भी एशियाई क्रिकेट प्ररिषद पर सवाल उठाये। उन्होंने लिखा था, अगर यह सच है तो यह पूरी तरह से गलत है। इस प्रकार से आयोजकों ने टूर्नामेंट का मजाक ही उड़ाया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे । जहाँ उनकी पुकार हुई, वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही मुक्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

कुछ आसान और
अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक में फलस्तीनी किशोर को गोली मारी

यरूशलम । इजराइल के सुरक्षाबलों ने दक्षिणी वेस्ट बैंक में एक फलस्तीनी किशोर को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि यह वेस्ट बैंक में करीब दो दशक में इजराइल-फलस्तीन संघर्ष में हिंसा की ताजा घटना है। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मृतक की पहचान 16 वर्षीय मिलाद अल-राई के रूप में की है और कहा कि उसकी पीठ में गोलियां मारी गईं। मिलाद अल-राई की मौत से इस साल वेस्ट बैंक में अब तक इजराइल की गोलीबारी में मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 185 हो गई है। मृतकों में 18 वर्ष तक की आयु के 30 किशोर शामिल हैं। इजराइली सेना ने कहा कि उसने दक्षिणी वेस्ट बैंक में अल-आरुब शरणार्थी शिविर के बाहर फलस्तीनियों के एक समूह पर आंसू गैस के गोले दागे और गोलियां चलाईं। उसने बताया कि फलस्तीनियों ने सैनिकों पर विस्फोटकों से हमला किया था। इजराइली सेना के मुताबिक, उसे एक फलस्तीनी को गोली मारे जाने की जानकारी है। उसने कहा कि इजराइली सैनिक भी हताहत हुए हैं। वेस्ट बैंक में इजराइली सेना की छापेमारी तेज होने के बाद से इजराइलियों के खिलाफ फलस्तीनियों के हमले बढ़ गए हैं। इस साल इजराइल के खिलाफ फलस्तीन के हमलों में 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

पाकिस्तान में आतंकवादियों से मुठभेड़ में एक सैनिक की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी में एक सैनिक की मौत हो गई। सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी है। पाकिस्तान की सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने यहां जारी एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली इलाके में चलाये गए अभियान के दौरान यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आतंकवाद के खात्मे के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि देश के सुरक्षा बल आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और सैनिकों के ऐसे बलिदान देश के संकल्प को और मजबूत करते हैं।

शादी के तीन साल बाद पता चला भाई से हो गई शादी, सदमे में पत्नी

वॉशिंगटन । एक जोड़े को शादी के तीन साल बाद पता चला कि वो दोनों भाई-बहिन हैं। हालांकि उनकी जिंदगी आराम से गुजर रही थी, लेकिन इस राज के खुलते ही पत्नी सदमें आ गई है। अब लेकिन वह अपने पति को छोड़ने को तैयार नहीं है। जानकारी के मुताबिक यह कहानी उताह के रहने वाले टाइली और निक वॉटर्स की है, जो अपनी ज़िंदगी से जुड़े हुए वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। उन्होंने इस बार अपने फैंस को जो बताया, उसे सुनकर हर कोई हैरान हो गया। कपल का कहना है कि उन्हें अपनी शादी के 3 साल बाद पता चला कि वो दरअसल आपस में भाई-बहन हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टाइली और निक वॉटर्स 3 साल से शादीशुदा हैं और उनकी लाइफ काफी अच्छी चल रही है। हालांकि उन्हें इसी बीच पता चला है कि वो दोनों आपस में कज़ंस हैं। अपने भाई-बहन होने की बात पर कपल का कहना है कि वे चाहते थे कि ये बात सच नहीं हो और ये एक मज़ाक हो लेकिन ऐसा नहीं है। पत्नी ने ये भी बताया कि सच जानकर भी वो अपने पति को सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ेगी कि वो उसका भाई है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को 5.7 मिलियन यानि 57 लाख लोग देख चुके हैं और उन्होंने हज़ारों कमेंट्स भी किए हैं। हालांकि डीएनए टेस्ट के बाद लोगों के सालों के रिश्ते का डरावना सच सामने आते सुना और पढ़ा है, ले ?किन टाइली और निक ने ये नहीं बताया है कि उन्हें ये सच कैसे पता चला। लेकिन लोगों ने इस पर अपनी भरपूर प्रतिक्रिया दी है। कुछ लोगों ने कहा है कि ये सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट है तो कई लोगों ने अपनी कहानियां भी बताईं और कहा कि वे भी ऐसी सच्चाई से दो-चार हो चुके हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को वोट डालने और चुनाव लड़ने से रोकने दायर किया मुकदमा

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव लड़ने व वोट डालने से रोकने के लिए मुकदमा दायर किया है। इस तरह से ट्रंप की मुश्किलें अब बढ़ती ही जा रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप को 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में प्रत्याशी बनने और मतदान करने से रोकने के लिए अमेरिका के कोलोराडो में सिटीजंस फॉर रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड एथिक्स द्वारा मुकदमा दायर किया गया है। डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने संवैधानिक पद पर रहकर अपनी शपथ का उल्लंघन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के संविधान में 14वें संशोधन की धारा 3, किसी को भी सार्वजनिक पद संभालने से रोकती है जो संविधान का बचाव करने की प्रतिज्ञा करने के बाद किसी विद्रोह में शामिल होते हैं। मुकदमे में कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्जिया 2020 के चुनाव में धांधली करने की कोशिश की। ट्रंप के प्रयास ने 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल में हिंसा तक करवा दी। डेमोक्रेट जो बाइडन द्वारा जीते गए नवंबर 2020 के चुनाव के परिणामों को पलटने की साजिश रचने के आरोप में 77 वर्षीय ट्रंप पर मार्च में वॉशिंगटन में मुकदमा चलाया गया। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक हालिया पोस्ट में, उन्हें राष्ट्रपति पद के चुनाव से हटाने के प्रयासों पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके पास 'कोई कानूनी आधार नहीं है।' उन्होंने कहा, 'कट्टरपंथी वामपंथी कम्युनिस्टों, मार्क्सवादियों और फासीवादियों द्वारा फिर से चुनाव पर कब्जा करने के लिए इस्तेमाल की जा रही एक और 'चाल' है।' 25 अगस्त को डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्जिया चुनाव धोखाधड़ी मामले में सरेंडर किया था। यह मामला फुल्टन काउंटी जेल में चला।

अफगानिस्तान में बेहद तेजी से बढ़ रहा मेथामफेटामाइन का उत्पादन : संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी की एक रिपोर्ट में रविवार को दावा किया गया है कि दुनिया में मेथामफेटामाइन का उत्पादन सबसे तेजी से अफगानिस्तान में बढ़ रहा है। तालिबान द्वारा अगस्त 2021 में सत्ता पर फिर से काबिज होने के बाद नशीले पदार्थों के खिलाफ जंग छेड़ने की बात कहे जाने के बावजूद अफगानिस्तान प्रमुख अफ़ीम उत्पादक देश और हेरोइन का बड़ा स्रोत है। संयुक्त राष्ट्र के ड्रग्स और अपराध कार्यालय की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में मेथ (मेथामफेटामाइन) का उत्पादन मुख्य रूप से गैरकानूनी रूप से उपलब्ध पदार्थों से होता है या उसे जंगली पौधे 'एफेड्रा' से निकाला जाता है। रिपोर्ट में अफ़ग़ानिस्तान में मेथ के बढ़ते उत्पादन को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक बढ़ता खतरा बताया गया है क्योंकि यह सिंथेटिक ड्रग्स (मादक पदार्थ) बाजार को प्रभावित करेगी और लोगों में नशे की लत का खतरा बढ़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफ़ग़ानिस्तान में उत्पादित मेथ अब कथित तौर पर यूरोपीय संघ और पूर्वी अफ्रीका से भी बरामद हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफ़ग़ानिस्तान में वार्षिक मेथ जब्ती2019 के 100 किलोग्राम से बढ़कर 2021 में लगभग 2,700 किलोग्राम पर पहुंच गयी है जो मादक पदार्थ के उत्पादन में वृद्धि का संकेत देता है। लेकिन रिपोर्ट में अफगानिस्तान में मेथ आपूर्ति, उत्पादन, घरेलू स्तर पर उसका उपयोग, कीमत आदि की जानकारी नहीं दी गई है क्योंकि इससे जुड़े आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। यूएनओडीसी की 'रिसर्च एंड ट्रेंड एनालिसिस' शाखा की प्रमुख एंजेला मे ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि अफगानिस्तान में मेथ का उत्पादन हेरोइन या कोकीन उत्पादन की तुलना में काफी फायदेमंद है। मे ने कहा, ''आपको किसी चीज़ (फसल) के बढ़ने का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''आपको ज़मीन की ज़रूरत नहीं है। आपको बस ड्रग्स बनाने वाले चाहिए और तरीका पता होना चाहिए। मेथ उत्पादन वाली प्रयोगशालाएं सचल हैं और नजरों से छुपी हुई हैं।

यूनान में डेनियल तूफान के कारण समूचे इलाके में बाढ़ आ गयी।

भूकंप के बाद मोरक्को में तीन दिन का राष्ट्रीय शोक, फिर झटके आने की आशंका

रबात । उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में 9 सितंबर की रात आए शक्तिशाली भूकंप से अब तक 2,012 लोगों की मौत हो गई है और मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम अभी भी जारी है। इससे ऐतिहासिक इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा है और सड़कों पर शव पड़े हुए नजर आ रहे है। यहां पर ?फिर से भूकंप आने के डर से अधिकतर लोगों ने सड़कों पर ही रात बिताई। भीषण भूकंप के बाद मोरक्को में तीन दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। इस विनाशकारी भूकंप से यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल को भी भारी नुकसान पहुंचा है। लाल दिवारें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में मलबे के पहाड़ और धूल के बादल दिखाई दे रहे हैं। सेना के एक बयान के अनुसार, मोरक्को के राजा मोहम्मद ने सशस्त्र बलों को विशेष खोज और बचाव दल और एक सर्जिकल फील्ड अस्पताल तैनात करने का निर्देश दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से फ्रांसीसी विशेषज्ञ ने चेतावनी दी है कि मोरक्को में फिर से झटकों की उम्मीद की जा सकती है। विशेष रूप से मोरक्को में मोंटपेलियर विश्वविद्यालय में सक्रिय टेक्टोनिक्स के विशेषज्ञ फिलिप वर्नांट ने विनाशकारी भूकंप पर कहा ?कि भले ही दोबारा आने वाले झटके कम महसूस किए जाए, लेकिन यह पहले से ही कमजोर हो चुकी इमारतों के ढहने का कारण बन सकते हैं।

अमेरिका की मेजबानी में संपन्न होगा 2026 का जी-20 शिखर सम्मेलन

-महत्वपूर्ण राजनयिक मुद्दों का समाधान निकालने में बैठक की रही अहम भूमिका

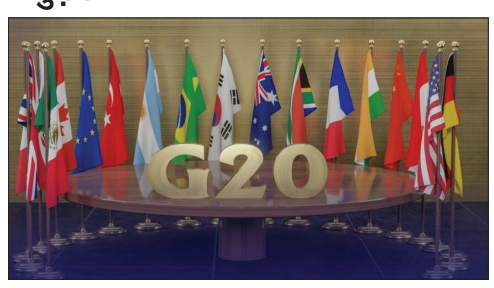

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा है कि वह 2026 जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि महत्वपूर्ण राजनयिक मुद्दों का समाधान निकालने में इस बैठक की अहम भूमिका रही है। विदेश में हमारे संबन्धों को और बेहतर बनाने में इस तरह के सम्मेलन कारगर हैं। व्हाइट हाउस ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन सबसे गंभीर मुद्दों का समाधान प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। दिल्ली घोषणा के तुरंत बाद आए व्हाइट हाउस के एक बयान में कहा गया कि ऐसे क्षण में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था जलवायु संकट, नाजुकता और संघर्ष के एक साथ आने वाले झटकों से पीड़ित है, इसमें यूक्रेन में रूस के युद्ध से उत्पन्न भारी पीड़ा भी शामिल है, इस साल के नई दिल्ली शिखर सम्मेलन ने साबित कर दिया कि जी20 अभी भी हमारे सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान निकाल सकता है। दिल्ली में जी 20 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडेन ने दुनिया में अमेरिका की नेतृत्वकारी भूमिका को बहाल करने, विदेश में हमारे संबंधों को फिर से बनाने और स्थायी परिणाम देने के लिए पद ग्रहण करते समय की गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करना जारी रखा है।

अमेरिका ने कहा कि वह भारत की जी20 प्रेसीडेंसी में हुई प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिका समता और न्याय पर आधारित वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था के लिए जी20 पहल के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाने के लिए 2026 में जी20 की मेजबानी करेगा। अमेरिका भी जी20 के स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ का समर्थन करने और अब उसका स्वागत करने से प्रसन्न है, जो जी20 की जीवन शक्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अफ्रीका की महत्वपूर्ण भूमिका दोनों का प्रतिबिंब है। दिल्ली में, बाइडेन और अन्य जी20 नेताओं ने सतत विकास लक्ष्यों में तेजी लाने के लिए जी20 2023 कार्य योजना को लागू करने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

जी20 में उन्होंने कम और मध्यम आय वाले देशों का समर्थन करने के लिए विश्व बैंक की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक रूप से अधिक हेडरूम और रियायती वित्त जुटाने के लिए जी20 भागीदारों को एकजुट किया। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया है कि यह पहल बैंक को एक बेहतर और बड़ा संस्थान बनाएगी जो वैश्विक चुनौतियों से निपटने और सबसे गरीब देशों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक पैमाने और गति पर संसाधन उपलब्ध कराने में सक्षम होगा। जी20 नेताओं ने घाना और श्रीलंका जैसे देशों के ऋण संकट के मामलों को हल करने के लिए प्रयासों को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

बाइडेन ने स्पष्ट किया कि अमेरिका अक्टूबर में विश्व बैंक और आईएमएफ की वार्षिक बैठक से सार्थक प्रगति की उम्मीद करता है। बाइडेन ने नेताओं से आग्रह किया कि वे गैर-टिकाऊ ऋण को परिवर्तनकारी निवेश में बदलने में सक्षम बनाने के लिए नए समाधानों के बारे में सोचें। उन्होंने निजी क्षेत्र और बहुपक्षीय विकास बैंकों सहित सभी लेनदारों पर अपने ऋण देने में जलवायु-लचीला ऋण खंड पेश करने के लिए दबाव डाला। अमेरिकी निर्यात-आयात बैंक अपने शासन ढांचे के अनुरूप, चुनिंदा द्विपक्षीय ऋण देने में ऐसा करने की तैयारी कर रहा है।

किसी भी उम्मीदवार को नही मिले 50 प्रतिशत से अधिक वोट

-मालदीव में राष्ट्रपति पद के लिए फिर से हो सकते हैं दूसरे दौर के चुनाव

माले (एजेंसी)। मालदीव में राष्ट्रपति पद के लिए फिर से चुनाव हो सकते हैं। क्योंकि यहां अभी हुए चुनाव में किसी भी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिल पाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार चुनाव में आठों उम्मीदवारों में से किसी को भी स्पष्ट तौर पर जीत के लिए जरूरी 50 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिले हैं। इसलिए दूसरे चरण के चुनाव होने के आसार हैं। स्थानीय मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि राष्ट्रपति पद के लिए आठ उम्मीदवार मैदान में हैं। इसमें मुख्य मुकाबला वर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह और उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी मोहम्मद मुइज़ के बीच है। सोलिह को भारत समर्थक माना जाता है। विपक्षी उम्मीदवार मुइज़ को चुनाव में 46 प्रतिशत से अधिक मत मिले हैं, वहीं निवर्तमान राष्ट्रपति सोलिह को 39 फीसदी वोट हासिल हुए हैं। यह चुनाव एक तरह से इस बात का जनमत संग्रह भी है कि हिंद महासागर के इस द्वीपीय देश पर भारत या चीन में से किस क्षेत्रीय शक्ति का अधिक प्रभाव होगा।

दूसरे चरण के चुनाव अनिवार्य होने जैसे हालात में चुनाव इस माह के अंत तक कराए जाएंगे। सोलिह दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुनाव मैदान में हैं और मुइज के इन आरोपों से जूझ रहे हैं कि उन्होंने भारत को देश में अनियंत्रित मौजूदगी की अनुमति दी है। मुइज़ ने वादा किया है कि अगर वह चुनाव जीत जाते हैं, तो मालदीव में मौजूद भारतीय सैनिकों को वापस भेजेंगे और देश के कारोबारी संबंधों को संतुलित करेंगे। उनका कहना है कि वर्तमान में कारोबारी संबंध भारत के पक्ष में हैं। मुइज़ की पार्टी 'पीपुल्स नेशनल कांग्रेस' को चीन समर्थक माना जाता है।

उन्होंने कहा कि ये सैन्यकर्मी देश के कुछ हिस्सों और हवाईअड्डों का विशेष इस्तेमाल करते हैं। सोलिह को आठ उम्मीदवारों में सबसे आगे माना जा रहा था, क्योंकि उनके सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी यामीन पर देश के उच्चतम न्यायालय ने चुनाव लड़ने से रोक लगा दी थी और वह भ्रष्टाचार तथा धनशोधन के आरोप को लेकर जेल में हैं। राष्ट्रपति चुनाव में 2,82,000 से अधिक लोग मतदान करने के लिए पात्र हैं। किसी भी उम्मीदवार को जीत के लिए 50 प्रतिशत से एक वोट अधिक प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

ट्वीट अब पोस्ट और रीट्वीट का नाम रीपोस्ट होगा

- 29 सितंबर से होगा प्रभावी होगा यह बदलाव

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स ने अपनी नई सर्विस में पहले ट्वीट का नाम बदलकर पोस्ट और रीट्वीट का नाम रीपोस्ट कर दिया है। यह बदलाव 29 सितंबर से प्रभावी हो जाएगा। अन्य उल्लेखनीय परिवर्तनों में ट्विटर को पूरी तरह से हटाना और एक्स द्वारा प्रतिस्थापित करना शामिल है। साथ ही, सर्विस की नई शर्त कहती है कि कानून द्वारा अनुमति सीमा तक एक्स का उपयोग कर आप किसी कथित वर्ग कार्रवाई, सामूहिक कार्रवाई या प्रतिनिधि कार्रवाई में वादी या वर्ग सदस्य के रूप में भाग लेने का अधिकार भी छोड़ देते हैं। नई एक्स पॉलिसी 29 सितंबर से लागू होगी। हमारी पूर्व लिखित सहमति के बिना किसी भी उद्देश्य के लिए किसी भी रूप में सेवाओं को क्रॉल करना या स्क्रैप करना स्पष्ट रूप से निषिद्ध है। इससे पहले, यह लिखा गया था कि यदि रोबोट डॉट टेक्स्ट फाइल के प्रावधानों के अनुसार सेवाओं को क्रॉल करना स्वीकार्य है, हालांकि, हमारी पूर्व सहमति के बिना सेवाओं को स्क्रैप करना स्पष्ट रूप से निषिद्ध है। एक्स कॉर्प अब यूजर्स से उनके बायोमेट्रिक डेटा और रोजगार इतिहास को एकत्र करना शुरू करने की अनुमति भी मांगेगा। सोशल मीडिया नेटवर्क ने बायोमेट्रिक जानकारी और रोजगार इतिहास को शामिल करने के लिए अपनी गोपनीयता नीति को अपडेट किया है। एक्स ने कहा कि यह आपके लिए संभावित नौकरियों की सिफारिश करने, नौकरी के लिए आवेदन करते समय संभावित नियोक्ताओं के साथ साझा करने, नियोक्ताओं को संभावित उम्मीदवारों को ढूंढने में सक्षम बनाने और आपको अधिक प्रासंगिक विज्ञापन दिखाने के लिए व्यक्तिगत जानकारी एकत्र और उपयोग कर सकता है।

जी-20 घोषणा पत्र पर बनी सहमति से दुनियाभर का मीडिया हैरान

-रूस ही नहीं, अमेरिका सहित अन्य देशों को भी भारत ने एक मंच पर बैठाया

मॉस्को (एजेंसी)। भारत ने रूस ही नहीं बल्कि अमेरिका सहित अन्य देशों को भी एक मंच पर लाकर बैठाया है। शिखर सम्मेलन के घोषणा पत्र पर बनी सहमति से जी-20 अध्यक्षता के दौरान भारत ने सबसे बड़ी चुनौती को पार कर लिया है। इससे दु?नया भर का मीडिया भी हैरान है। हालांकि यूक्रेन युद्ध के कारण माना जा रहा था कि संयुक्त विज्ञप्ति पर सहमति नहीं बन पाएगी। आखिरकार सदस्य देशों ने इस पर सहमति जताई है। अमेरिका समेत पश्चिमी देश चाहते थे कि इसमें रूस की निंदा से जुड़ा पैराग्राफ भी शामिल किया जाए। इसका रूस और चीन विरोध कर रहे थे। इसके कारण माना जा रहा था कि जी-20 के इतिहास में पहली बार संयुक्त विज्ञप्ति पर सहमति नहीं बन पाएगी। भारत की अध्यक्षता में अगर ऐसा हो जाता तो यह एक बड़ी डिप्लोमैटिक हार होती। लेकिन भारत अमेरिका और रूस दोनों को एक साथ लाने में कामयाब रहा। इस डॉक्यूमेंट में रूस-यूक्रेन युद्ध का कोई खास जिक्र नहीं किया गया है। यूक्रेन जहां इससे खुश नहीं है तो रूस ने इसे संतुलित बयान बताया है। अमेरिकी मीडिया ने लिखा कि जी-20 के डॉक्यूमेंट में रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र सॉफ्ट भाषा में किया गया। इस पूरे डॉक्यूमेंट में कहीं भी रूस को हमला करने वाला नहीं कहा गया है।

गौरतलीब यह है कि पश्चिमी देश भी इस पर सहमत हो गए जो पूरी दुनिया के लिए हैरानी वाली बात है। यह भारत के डिप्लोमेसी की कामयाबी और रूस के लिए बड़ी जीत के तौर पर देखा जा रहा है। दुनिया भर की मीडिया ने इस खबर को प्रमुखता से लिया है। मीडिया ने खबर में लिखा, जी 20 ने यूक्रेन युद्ध पर अफसोस जताया लेकिन रूस पर आरोप लगाने से परहेज किया। इसके अलावा खबर में यूक्रेन का पक्ष भी लिखा गया है। यूक्रेन ने कहा कि इसमें कुछ भी गर्व करने वाला नहीं है। ऐसा लगता है जैसे दिल्ली की घोषणा पश्चिम और रूस दोनों को सकारात्मकता खोजने की अनुमति देने के लिए डिजाइन की गई है। रूस की निंदा के लिए बाली में हुए समिट जैसी सख्त भाषा का इस्तेमाल नहीं किया गया।

एक अखबार ने अपनी खबर में लिखा कि जी-20 के नेता संयुक्त विज्ञप्ति पर सहमत हुए, लेकिन रूस और यूक्रेन युद्ध पर सॉफ्ट भाषा का इस्तेमाल किया। अखबार ने लिखा कि रूस यूक्रेन युद्ध के कारण जी-20 में मतभेद दिख रहे थे, लेकिन पहले ही दिन इस घोषणा पत्र पर सहमति बन गई। अल हर किसी के मन में यह सवाल था कि क्या भारत जी-20 अध्यक्ष के रूप में पश्चिमी देशों और रूस के बीच मतभेदों को देखते हुए एक आम सहमति दस्तावेज लाने में कामयाब होगा। लेकिन एक बड़ी कूटनीतिक सफलता में भारतीय पीएम ने शनिवार को घोषणा करते हुए बताया कि सभी नेता एक संयुक्त घोषणा पर सहमत हुए हैं।

मोरक्को में भूकंप से मरने वाले लोगों की संख्या पहुंची 2000 के ऊपर

-पीएम मोदी ने व्यक्त की संवेदना, हरसंभव सहायता देने का दिलाया भरोसा

रबात(एजेंसी)। मोरक्को में आए भूकंप से मरने वालों की संख्या 2000 के ऊपर पहुंच गई है। यह भूकंप 8 सितंबर की रात को 6.8 तीव्रता के साथ आया था, जिसने इस अफ्रीकी देश में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा के बाद मौतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इधर पीएम नरेन्द्र मोदी ने मरने वालों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया है। भूकंप से अब तक 2000 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। बतादें कि भूकंप आने के 48 घंटे बाद भी राहत एवं बचाव कार्य जारी है। अभी इसमें मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। भीषण त्रासदी के बाद हजारों घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सैकड़ों इमारतों के जमींदोज होने के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार मोरक्को में 3 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। मोरक्कन सेना के एक बयान के अनुसार, वहां के किंग मोहम्मद ने सशस्त्र बलों को स्पेशल सर्च एंड रेस्क्यू टीम और एक सर्जिकल फील्ड हॉस्पिटल तैनात करने का निर्देश दिया है। बता दें कि मोरक्को के हाई एटलस पर्वतों को हिलाने वाले भूकंप के तेज झटकों के कारण केंद्र के निकटतम शहर मराकेश में कई ऐतिहासिक संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लेकिन अधिकांश मौतें अल-हौज और तरौदंत प्रांतों के दक्षिण में पहाड़ी क्षेत्रों में दर्ज की गई हैं।

इस बीच, खोज एवं बचाव दल मलबा हटाने और सड़कें साफ करने में जुटा है। भूकंप की गहराई 1805 किमी मापी गई है। दक्षिण में सिदी इफनी से लेकर उत्तर में रबात और उससे भी आगे तक तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र एक प्रमुख आर्थिक केंद्र शहर मराकेश से 72 किलोमीटर पश्चिम में था। तुर्किये आपदा और आपातकालीन प्रबंधन विभाग का कहना है कि उसने मोरक्को से इमरजेंसी अलर्ट मिलने की स्थिति में चिकित्सा, राहत, खोज और बचाव एजेंसियों के 265 सदस्यों को अलर्ट पर रखा है। रबात में अधिकारियों की मांग पर मोरक्को ले जाने के लिए एक हजार तंबू आवंटित किए गए हैं।

मोदी ने जानमाल के नुकसान पर जताया दुख

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोरक्को में आए तीव्र भूकंप के कारण हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया था। उन्होंने एक्स पर लिखा था 'मोरक्को में भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान से बेहद दुखी हूं। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं। उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। भारत इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।'

जारी किया हेल्पलाइन नंबर

भारत ने मोरक्को में अपने नागरिकों को सहायता देने के लिए भारतीय दूतावास द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर जारी किय है। इस पर फोन कर भारतीयों से किसी भी प्रकार की सहायता के लिए संपर्क करने को कहा है। दूतावास ने शनिवार को एक्स पर एक संदेश पोस्ट किया, मोरक्को में हाल ही में आए भूकंप के मद्देनजर, मोरक्को में भारतीय नागरिक किसी भी सहायता के लिए भारतीय दूतावास के हेल्पलाइन नंबर +212661297491 पर संपर्क कर सकते हैं। इस तरह से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तरी अफ्रीकी राष्ट्र को सहायता की पेशकश की।

अन्य देश भी मदद को आगे आए

संकट की इस घड़ी में अरब लीग ने भूकंप के तुरंत बाद मोरक्को के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। अरब लीग ने कहा कि उम्मीद है कि देश जल्द ही संकट से उबर जाएगा। वहीं इज़राइल, जिसने 2020 में मोरक्को के साथ संबंधों को सामान्य किया, ने भी उत्तरी अफ्रीकी साम्राज्य के प्रति अपनी संवेदना और सहायता की पेशकश की। इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने अपने मोरक्को समकक्ष के साथ फोन पर बात कर भूकंप प्रभावित देश को जितनी जरूरत हो सहायता करने की इजरायल की इच्छा व्यक्त की। तुर्किये ने भी कहा कि वह घावों को भरने के लिए हर तरह की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। वहीं जिन अन्य देशों ने सहायता की पेशकश की है उनमें ईरान, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, फिलिस्तीन, सऊदी अरब, जॉर्डन, ट्यूनीशिया और अल्जीरिया शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शांतिपूर्ण जी-20 सम्मेलन के लिए पंजाब में रैड अलर्ट

जालंधर । सीएम भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार जी-20 सम्मेलन के शांतिपूर्ण आयोजन को यकीनी बनाने के लिए पंजाब में रैड अलर्ट जारी कर दिया गया है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव के निर्देशों के अनुसार पुलिस टीमों ने समूह 28 पुलिस जिलों के सभी संवेदनशील स्थानों पर सुबह 9 बजे से सुबह 11 बजे तक फ्लैग मार्च भी निकाला जिसके बाद दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों में कार्डन और सर्च ऑप्रेशन भी चलाए। विशेष डीजीपी कानून-व्यवस्था ने बताया कि गजटिड रैंक के अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने-अपने जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला। सभी 28 पुलिस जिलों में 228 संवेदनशील क्षेत्रों को कवर करते हुए 139 फ्लैग मार्च निकाले गए। विशेष डीजीपी ने कहा कि सीपी, एसएसपी को एसपी की निगरानी में राज्य भर के सभी बस स्टैंडों और रेलवे स्टेशनों में और आसपास के इलाकों में विशेष कार्डन और सर्च ऑप्रेशन चलाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि हमने सभी पुलिस कर्मचारियों को सख्ती से हिदायत की थी कि वह इस कार्रवाई के दौरान हर व्यक्ति के साथ दोस्ताना ढंग और विनम्रता से पेश आएं। उन्होंने कहा कि राज्य के अलग-अलग रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने के लिए राज्य भर में डेढ़ हजार से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली करीब 255 पुलिस टीमें तैनात की गई थीं। उन्होंने बताया कि राज्य के 159 बस अड्डों और 131 रेलवे स्टेशनों पर चलाए गए ऑप्रेशन के दौरान करीब साढ़े 3 हजार से अधिक लोगों की चैकिंग की गई।

सीबीडीसी का बढ़ेगा दायरा, आ सकता है डिजिटल रुपी का पायलट प्रोजेक्ट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक अब डिजिटल रूपी का पायलट प्रोजेक्ट ला सकता है। इसके लिए सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी यानी सीबीडीसी का इंटरबैंक उधार और कॉल मनी मार्केट में पायलट प्रोजेक्ट अक्टूबर में शुरू कर सकता है। आरबीआई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अजय कुमार चौधरी की ओर से रविवार को यह जानकारी दी गई। होलसेल सीबीडीसी, जिसे डिजिटल रुपी-होलसेल (ई-वीवी) के नाम से भी जाना जाता है। इसे एक नवंबर, 2022 को लॉन्च किया गया था। फिलहाल इसका इस्तेमाल गवर्मेंट सिक्योरिटीज में लेनदेन के लिए सेकेंडरी मार्केट में किया जा रहा है। जी20 शिखर सम्मेलन में आए चौधरी की ओर से कहा गया कि आरबीआई होलसेल सीबीडीसी को कॉल मार्केट में इस महीने या अगले महीने लॉन्च किया जा सकता है। यहां गौरतलब है ?कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से सीबीडीसी को शुरू करने का एलान वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में किया गया था। आरबीआई की ओर से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचएसबीसी को होलसेल पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना है। गौरतलब है ?कि सेंट्रल बैंक की ओर से सीबीडीसी के रिटेल अवतार का पायलट प्रोजेक्ट एक दिसंबर, 2022 को शुरू किया गया था। सीबीडीसी भारत की पेपर करेंसी का ही डिजिटल अवतार है। इसे आरबीआई से पेपर करेंसी की तरह से मान्यता प्राप्त होती है। जी20 शिखर सम्मेलन में आरबीआई की ओर से भारत की डिजिटल क्रांति को प्रदर्शित किया गया है। फिक्शनलेस क्रेडिट के लिए पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म (पीटीपी), सीबीडीसी, यूपीआई वन वर्ल्ड, रुपे ऑन-द-गो और भारत बिल पेमेंट सिस्टम शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई जो बाइडेन के साथ शेख हसीना की सेल्फी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भी भारत पहुंची हुई हैं। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान जो बाइडेन ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी ली। इसकी एक तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सेल्फी में अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हंसते हुए दिखाई दे रहे हैं। सेल्फी के साथ ही दोनों नेताओं ने इस पल को संजो कर रख लिया है। गौरतलब है कि भारत 9-10 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में नवनिर्मित भारत मंडपम में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की है। शिखर सम्मेलन में यूरोपीय संघ के 30 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और शीर्ष अधिकारी और आमंत्रित अतिथि देशों और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया हैं।

नौसेना के गोताखोरों ने बचाई नौका के साथ डूबे 20 लोगों की जान

कन्नूर । उत्तरी केरल जिले के मुजप्पिलनगढ़ के धर्मदोम में 20 लोगों को ले जा रही एक नौका पलट गई। लेकिन भारतीय नौसेना के गोताखोरों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यात्रियों को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाने में मदद की। मिली जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना चैंपियंस बोट लीग-23 रेस के बीच हुई। यहां पर विभिन्न प्रतिभागी नाव में सवार थे। नौसेना ने कहा कि रेस के दौरान, प्रतिभागियों को ले जा रही एक नाव पानी में डूब गई और पलट गई। सुरक्षा उपायों की निगरानी के लिए तैनात नौसेना की दक्षिणी कमान के गोताखोरों की टीम ने त्वरित कार्रवाई की। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) ने 'एक्स पर लिखा, आज धर्मदोम, मुजप्पिलनगढ़ में आयोजित चैंपियंस बोट लीग -23 रेस के बीच 20 प्रतिभागियों की एक नाव पलट गई। भारतीय नौसेना के गोताखोर त्वरित कार्रवाई करते हुए पानी में कूद गए। उन्होंने बचाव अभियान की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा कीं हैं।

राष्ट्रपति गुजरात विधानसभा की एनईवीए परियोजना का करेंगी उद्घाटन

अहमदाबाद । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आगामी 13 सितंबर को गुजरात विधानसभा की राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (एनईवीए) परियोजना का उद्घाटन करेंगी। इस दौरान वह विधायकों को संबोधित भी करेंगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गुजरात विधानसभा सचिव डी.एम. पटेल ने कहा कि राष्ट्रपति विधानसभा को कागज रहित बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वन नेशन, वन एप्लीकेशन की अवधारणा पर लागू की गई परियोजना एनईवीए का उद्घाटन करेंगी और फिर विधायकों को संबोधित करेंगी। पटेल ने एक वीडियो बयान में कहा कि विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने राष्ट्रपति मुर्मू को परियोजना का उद्घाटन करने और 13 सितंबर से शुरू होने वाले 15वीं विधानसभा के तीसरे सत्र के दौरान सदन को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया है।

आरएसएस और वीएचपी संभालेगी रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की व्यवस्था

अयोध्या । यूपी के अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की बांगडोर आरएसएस व वीएचपी संभालेगी। इसके लिए आयोजन की ?तिथि भी तय हो गई है। अब राम भक्तों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। राम मंदिर के गर्भगृह में अगले साल 22 जनवरी को भगवान राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पीएम मोदी समेत देश विदेश के तमाम संत धर्म आचार्य मौजूद रहेंगे।मंदिर के भूतल का 80 प्रतिशत निर्माण हो चुका है। राम मंदिर का निर्माण 2025 तक पूर्ण होगा। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही है। इसकी पूरी व्यवस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के हाथों में होगी। गौरतलब है कि राम मंदिर के निर्माण का काम पूरा कराने वाले राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि दो दिनों तक देश भर में राममय माहौल बनाने की रणनीति पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद के शीर्ष पदाधिकारी अयोध्या में 10 और 11 सितंबर को जुटेंगे। ट्रस्ट प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के शुरुआती दिनों में देश भर से लगभग 5 करोड़ लोगों को अयोध्या लाने की योजना पर काम कर रहा।

चंपत राय ने कहा कि एक मंदिर से करीब 100 परिवार का जुड़ाव है। मंदिरों से जुड़े लोगों को आधार बनाकर रणनीति पर तैयारी चल रही है। देश के 2 लाख गांवों तक पहुंचना चुनौती है। मंदिर में देश विदेश से भी मेहमान आने वाले है। जिनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएगा। राम मंदिर में आने वाले मेहमानों के लिए रहने की भी खास व्यवस्था की जाएगी। शहर के अधिकांश होटल और धर्मशाला के कमरे फुल हो गए हैं। 20 से 24 जनवरी यानी 5 दिन के लिए कमरे बुक हैं। होटल और धर्मशालाओं से जुड़े लोगों का कहना है कि अयोध्या में करीब 4000 कमरे बुक हो चुके हैं। मेहमानों को ठहराने के लिए कुंभ की तर्ज पर हाईटेक सुविधाओं से लैस टेंट सिटी का निर्माण हो रहा है।

पीएम मोदी ने जो बाइडेन से करवाई नीतीश-हेमंत की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। जी-20 में आए मेहमानों के सम्मान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से दिए रात्रिभोज में विदेशी मेहमानों के अलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी हिस्सा लिया। इसमें बिहार के सीएम नीतीश कुमार, झारखंड के हेमंत सोरेन और पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी समेत विपक्षी दलों के अनेक नेताओं ने भी इस भव्य कार्यक्रम में भाग लिया। रात्रिभोज के दौरान बिहार के सीएम नीतीश कुमार और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई। तत्पश्चात पीएम मोदी ने नीतीश और हेमंत की मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से करवाई। दोनों नेताओं का उनकोपरिचय दिया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद रहीं। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं, इनमें नीतीश कुमार, हेमंत सोरेन को बाइडेन से बातचीत करते देखा जा रहा है। रात्रिभोज में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, असम के सीएम हेमंत बिस्वा भी मौजूद थे। अन्य अतिथियों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल थे, जिन्हें तस्वीरों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ भोजन करते देखा गया। कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू भी डिनर में शामिल होने पहुंचे। उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की।

वहीं, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के अशोक गहलोत, ओडिशा के नवीन पटनायक और दिल्ली के अरविंद केजरीवाल विपक्षी दलों के उन नेताओं में शामिल थे, जो इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। भूपेश बघेल ने कहा था कि वो जी20 रात्रिभोज में शामिल नहीं होंगे क्योंकि जी20 शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली में नो फ्लाइंग जोन रखा गया है। विमान लैंडिंग की अनुमति नहीं है। हालांकि, गृह मंत्रालय ने इस बयान को गलत बताया था। गृह मंत्रालय का कहना था कि राज्यों के मुख्यमंत्री और राज्यपालों के लिए यह प्रतिबंध लागू नहीं है। रात्रिभोज में गोल डिनर टेबल को देश की विभिन्न नदियों पर लेबल किया गया था। इनमें कृष्णा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और गंगा शामिल थीं।

एन चंद्रबाबू नायडू पर आरोप साबित हुए तो 10 साल की सजा पक्की

विजयवाड़ा । आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर यदि आरोप साबित हो गए तो फिर 10 साल के लिए जेल तो पक्की है। यह संकेत सीआईडी ने दिए है। गौरतलब है कि उन पर आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम में 371 करोड़ रुपये घोटाले का आरोप है। सीआईडी की जांच के मुताबिक 2015 में कौशल विकास निगम ने सीमेंस के साथ 3300 करोड़ रुपये का समझौता किया था। जिसके तहत लोगों को विभिन्न कौशल में प्रशिक्षित किया जाना था। इस राशि में से 10 फीसद राज्य सरकार को अपने हिस्से के रूप में दिया जाना था। हालांकि सीमेंस ने अपना 90 फीसद योगदान नहीं दिया और इसके बजाए सरकारी फंड का इस्तेमाल किया। सीआईडी ने आरोप लगाया है कि पैसे का एक हिस्सा शेल कंपनियों को भेजा गया था। सीआईडी ने रिमांड रिपोर्ट में आरोप लगाया कि घोटाले के अंतिम लाभार्थी तेलुगु देशम पार्टी, नायडू और तत्कालीन श्रम और कौशल विकास मंत्री के अच्चेन्नायडू हैं। नायडू की गिरफ्तारी से पहले और बाद में काफी ड्रामा हुआ, क्योंकि बड़ी संख्या में टीडीपी कार्यकर्ता नंदयाल और विजयवाड़ा में शिविर स्थल पर एकत्र हुए, जहां उन्हें अदालत में पेश करने के लिए लाया गया था। पार्टी कार्यकर्ताओं ने रास्ते में काफिले को रोकने का प्रयास भी किया। एसआईटी के प्रमुख, डीआइजी कोल्ली रघुराम रेड्डी के नेतृत्व में सीआइडी अधिकारियों की एक टीम नंदयाल में शिविर स्थल पर पहुंची, जहां नायडू ने बस में रात बिताई। सीआईडी के डिप्टी एसपी एम. धनुंजयुडु ने नायडू को नोटिस दिया, जिसमें आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से संबंधित आईपीसी की विभिन्न धाराएं और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं शामिल हैं।

मोदी सरकार के सिर चढ़कर बोल रहा अहंकार: प्रियंका

-लोकतंत्र में जनता ही भगवान होती है, केन्द्र की सरकार में धनवानों की हो रही जयजयकार

-गहलोत बोले भाजपा लोकतंत्र का झूठा मुखौदा पहनकर में सत्ता आ गई

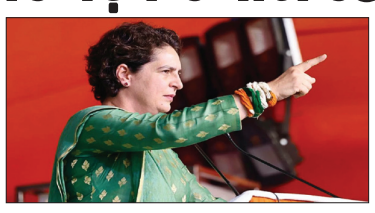

जयपुर (एजेंसी)। कांग्रेस की महासचिव और पार्टी द्वारा चुनावी प्रचार कैम्पेन की नेत्री प्रियंका गांधी ने आज राजस्थान के टोंक निवाई के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में आयोजित सरकार द्वारा मोबाइल वितरण कैम्प में उमडी विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए अपनी ही कांग्रेस की गहलोत सरकार द्वारा चलाई गई निशुल्क चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुफ्त ईलाज योजना, इंदिरा गांधी रसोई में आठ रूपये में खाना, अन्नपूर्णा फूड पैकेट वितरण योजना, को सफल बताते हुए केन्द्र की मोदी सरकार पर सीधा निशाना साधा उन्होने कहा कि मोदी सरकार के आठ-नौ साल के शासन में देश और प्रदेशो में विपक्षी दलों की सरकारों को विभिन्न तरीको से गिराकर केन्द्र सरकार केवल सत्ता में बने रहने की वजह से अहंकारी हो गई है अहंकार इतना है कि उन्हें देश में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार दिखाई नहीं देता नतीजा यह है कि बल्कि इसके उलट अहंकार के वशीभूत अपने ही सत्ता में आने से पहले दिए जाने वाले रोजगार देगे, महंगाई कम करेंगे भ्रष्टाचार को खत्म करेंगे देश की एकता, अखण्डता को अक्षुण रखेंगे समाज के सभी तबको को अधिकार देंगे इसके लिए उन्होने सबका साथ सबका विकास का नारा दिया जो आज झूठा साबित हो रहा है। प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा नेताओं के सत्ता का घमंड आ गया है महंगाई की मार झेल रही जनता केन्द की सरकार को जनता की फि नहीं अशोक गहलोत सरकार ने सही मायने में जनता को गणेश मानते हुए और महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल, गैस, सिलेंडर में 500 रूपये की छूट महंगाई राहत कैम्प लगाकर दी है तो इसमें भी केन्द्र सरकार की नियत में खोट नजर आ रहा है उन्होने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सरकार की असली मालिक है जबकि मोदी सरकार देश के चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए सरकार और संविधान में निहित जनता के सभी हको पर सत्ता के घमंड में चकनाचूर हको पर डाका डाल रहे है पुरानी पेंशन योजना का जिक्र करते हुए कहा कि कर्मचारियों का हक मारने की कोशिश में अग्निवीर योजना लेकर आये जबकि हिमाचल, राजस्थान, कर्नाटक में जहां कांग्रेस की सरकार बनी वहां जनहित की घोषणा पत्र के द्वारा जारी की गई उन सभी योजनाओं किसान का कर्ज माफ, ग्रहिणयों को मुफ्त चावल योजना लागू की गई वहीं राजस्थान में भी अशोक गहलोत अपनी सरकार का हर फैसला जनहितार्थ ले रहा है। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीखी आलोचना करते हुए जनहितों को केन्द्र बिन्दु बनाया और कहा कि आज प्रधानमंत्री को केवल और केवल सत्ता में बने रहने के लिए संविधान की उपेक्षा और लोकतंत्र का अपमान करने का मौका नहीं चूक रहे है लोकतंत्र में संघीय व्यवस्था सर्वोपरि है पर मोदीजी की शासन शैली से इस व्यवस्था हो रहा है। प्रियंका ने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार की विचारधारा को दो धुव्री बताते हुए कहा कि आज हिमाचल में प्राकृतिक आपदा में केन्द्र सरकार जितनी मदद की जरूर है उतनी नहीं दे रही है।

भाजपा लोकतंत्र का झूठा मुखौदा पहनकर में सत्ता आ गई = मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र की मोदी सरकार पर जमकर बोला कहा कि 9 साल पहले सत्ता में आने की गरज से लोकतंत्र की लाखों दुहाई दी और जनता को लाखों बार झूठ बोलकर सत्ता में आ गए और आज 9 साल बाद भी झूठ बोलने की आदत नहीं छोडी है। गहलोत ने कहा कि भय, भुख, भ्रष्टाचार सबका साथ सबका विकास का नाम लेकर केन्द्र पर राज करने वाली मोदी सरकार ने इसके ठीक उलट काम करना शुरू कर दिया है जिसके तहत विपक्ष को खत्म करने के लिए ईडी, इनकम टैक्स का सहारा ले रही है जबकि कांग्रेस की हमारी सरकार गुड गवर्नेंस देकर जनता को सरकार का मालिक होने का असली हकदार मानकर योजनाओं को अमलीजामा पहना रही है। मैने प्रदेश को चहुमुंखी विकास के लिए मिशन 2030 लक्ष्य लेकर राय मांगी थी जिसमें 50 लाख लोगों ने अब तक अपनी राय दे दी है मै जब तक चैन से नहीं बैठूंगा जब तक राज्य में मिशन 2030 के परिणाम दिखाई देने लगे।

धोती के साथ हब्लोट घड़ी पहनने वाला हर कोई समाजवादी नहीं

-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद ने सीएम सिद्धरमैया पर साधा निशाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद ने सीएम सिद्धरमैया पर निशाना साधा है। उन्होंने शनिवार को कहा कि धोती के साथ हब्लोट घड़ी पहनने वाले कुछ लोग समाजवादी होने का दावा नहीं कर सकते और कोई देवराज उर्स (सामाजिक सुधारों के लिए जाने जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री) की कार में बैठकर उनकी तरह नहीं बन सकता। उनकी इस टिप्पणी को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पर परोक्ष हमला माना जा रहा है। हालांकि हरिहरप्रसाद ने अपने भाषण के दौरान किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके द्वारा दिए गए संदर्भों से स्पष्ट था कि उनके निशाने पर सिद्धरमैया थे। उन्होंने जी परमेश्वर (मौजूदा सरकार में गृहमंत्री) जैसे दलित नेता को मुख्यमंत्री पद के लिए और अनुसूचित जनजाति से आने वाले सतीश जारकीहोली जैसे नेता के नाम पर उपमुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस द्वारा विचार नहीं किए जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की। विधान पार्षद (एमएलसी) हरिप्रसाद के बारे में माना जाता है कि वह राज्य मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने से कुछ समय से नाराज हैं। वह 'समान विचारधारा वाले सबसे पिछड़े वर्गों जैसे - एडिगा, बिलावा, नामधारी और दीवारा जैसे अन्य समुदायों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

हरिप्रसाद के बयान पर प्रतिक्रिया देने को लेकर अनिच्छुक सिद्धरमैया ने धारवाड़ में संवाददाताओं से कहा कि क्या उन्होंने मेरा नाम लिया है? मैं सामान्य तौर पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया नहीं दूंगा। सामाजिक सुधारों की वजह से प्रसिद्ध पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स का नाम पार्टी नेताओं द्वारा बार-बार लिए जाने पर किसी का नाम लिए बिना तंज कसते हुए हरिप्रसाद ने कहा कि उनके पोते को एमएलसी तक नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि देवराज उर्स की कार में बैठकर कोई देवराज उर्स नहीं बन सकता, उनकी सोच और उनकी विचारधाराओं को क्रियान्वित करने की दिशा में काम होना चाहिए।

चीन का आरोप, जी20 में भारत ने की अपने एजेंडे को मनवाने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां भारत की तारीफ हो रही है,वहीं दूसरी आरे चीन ने जी20 सम्मेलन को लेकर भारत पर अपना एजेंडा मनवाने का आरोप लगाया है। जानकार बता रहे हैं कि भारत का दम देखकर चीन एक बार फिर चिढ़ गया है। यहां तक कि शी जिनपिंग ने दिल्ली आने से इनकार भी कर दिया। अब कि जब पहले ही दिन भारत ने नई दिल्ली घोषणापत्र जारी कर दिया तो इससे दुनियाभर में देश की मजबूती खुलकर सामने आ गई। दूसरी ओर अफ्रीकी यूनियन को भी भारत के ही प्रयास से जी20 में जगह मिल गई जो कि चीन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इन्हीं बातों से चिढ़े चीन का कहना है कि जी20 में भारत अपना अजेंडा मनवाने और चीन को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।

चीन ने कहा कि एक वैश्विक प्लैटफॉर्म पर भारत अपना निजी फायदा तलाश रहा है। भारत जी20 को लेकर अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकामयाब है। वह जो भी कर रहा है उससे स्थितियां और खराब होने वाली हैं। भारत ने रणनीतिक और वैचारिक स्तर पर गड़बड़ी की है। इसके अलावा विवादित इलाके में बैठकें करके उसने लाइमलाइट लेने की कोशिश की है। बता दें कि श्रीनगर में जी20 की बैठक को लेकर चीन ने पहले भी आपत्ति की थी। हालांकि चीन की तरफ से जी20 सम्मेलन में ली कियांग शामिल हुए हैं। इस सम्मेलन में शी जिनपिंग के ना आने को लेकर भी प्रधानमंत्री मोदी ने सवाल उठाए थे।

बता दें कि भारत और चीन के बीच सीमा विवाद गलवान घाटी की घटना के बाद चरम पर है। भारत पहले भी कह चुका है कि सीमा पर स्थिति नाजुक और जोखिमभरी है। इसके अलावा भारत ने आर्थिक स्तर पर चीन की कमर तोड़ने में कसर नहीं छोड़ी है। जो बाइडेन ने भी चीनी राष्ट्रपति की गैरमौजूदगी पर निराशा जताई थी। चीन ने कहा कि भारत चीन की कर्ज जाल में फंसाने वाले देश की छवि बना रहा है। इसके अलावा भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों से करीबी बढ़ा रहा है। भारत के ये प्रयास दुनियाभर को मुसीबत में डालने वाले हैं।

डीएमके का पलटवार, इंडिया का नाम बदलने की योजना में आरएसएस का हाथ

चेन्नई (एजेंसी)। डीएमके ने कहा है कि इंडिया का नाम बदलकर भारत करने के पीछे आरएसएस की महात्वाकांक्षा है। जब इंडिया के बजाए भारत लिखा तो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन उस समय प्रतिक्रिया देने वाले पहले लोगों में से थे। उन्हें जब यह पता चला कि जी20 प्रतिनिधियों को दिया गया निमंत्रण पारंपरिक प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया के बजाय प्रेसीडेंट ऑफ भारत की ओर से था इसे केंद्र सरकार द्वारा देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने का कदम माना गया। स्टालिन ने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से पिछले नौ वर्षों में, देश के प्रति नरेंद्र मोदी सरकार का एकमात्र योगदान शायद नाम को इंडिया से बदलकर भारत करने का विचार है। तमिलनाडु पर शासन कर रही डीएमके कई मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ टकराव की स्थिति में है।

स्टालिन ने सोशल मीडिया पर यह भी कहा कि विपक्षी गुट ने अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखा है और इस नाम ने भाजपा को परेशान कर दिया है, इसके कारण वह देश का नाम बदलने पर विचार कर रही है। डीएमके के उप महासचिव और थूथुकुडी से सांसद कनिमोझी करुणानिधि, जो मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की बहन भी हैं ने कहा कि आरएसएस पूरे देश के लिए एजेंडा तय कर रहा है। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के बजाय गवर्नमेंट ऑफ भारत का उपयोग अभूतपूर्व था और इस तरह के राजनीतिक कदम का कोई कारण नहीं था। ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार आरएसएस और उसके प्रमुख मोहन भागवत के कहे का पालन कर रही है और जी20 प्रतिनिधियों को निमंत्रण इसका स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख ने पहले कहा था कि इंडिया का नाम बदलना होगा और सरकार उसका अनुसरण कर रही है।

हालांकि डीएमके इंडिया से नाम बदलकर भारत करने के सरकार के कदम को भुनाने की कोशिश कर रही है और राज्य भर में जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। उसका कहना है कि बीजेपी आरएसएस के एजेंडे के मुताबिक आगे बढ़ रही है। कनिमोझी का यह बयान कि आरएसएस देश के लिए एजेंडा तय कर रहा है, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि डीएमके तमिलनाडु में अपने अभियान को कैसे आगे बढ़ाएगा। तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभा सीटें जीतने की उम्मीद करने वाली एक राजनीतिक पार्टी के रूप में, डीएमके केंद्र में भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रामक रूप से आगे बढ़ेगी। नाम बदलकर भारत करने का सरकार का कदम डीएमके के एजेंडे में होगा। वरिष्ठ नेताओं की प्रारंभिक प्रतिक्रियाओं से संकेत मिलता है कि पार्टी अपने प्रमुख बिंदुओं में से एक के रूप में नाम परिवर्तन में आरएसएस के कोण पर ध्यान केंद्रित करेगी।

एमपी में शिवराज सिंह चौहान ने किया बड़ा ऐलान, 60प्र. से अधिक लाने वाले छात्रों को मिलेंगे 25 हजार रुपये

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस साल नवंबर में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में जिताने की अपील करते हुए कहा कि उनकी सरकार फिर से आने पर वह अगले साल से 12वीं कक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों को 25,000 रुपये देंगे। वर्तमान में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रदेश के विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25,000-25,000 रुपये दिए जा रहे हैं।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि गांव और शहर के स्कूल में जो बच्चे प्रथम, द्वितीय, तृतीय रैंक लाएंगे उन्हें स्कूटी की जाएगी। यह ऐलान चौहान ने ग्वालियर में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' के लिए आयोजित कार्यक्रम में कही। चौहान ने कहा, ''अगले साल से हमारे बच्चे 12वीं में 60 प्रतिशत से अधिक नंबर लाएंगे तो मामा (शिवराज सिंह चौहान) 25,000 उनके खातों में डालेगा। गांव और शहर के स्कूल में जो बच्चे प्रथम, द्वितीय, तृतीय रैंक लाएंगे उन्हें मामा स्कूटी दिलाएगा।'' इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में सांकेतिक बटन दबाकर1.31 करोड़ महिलाओं को 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' के अंतर्गत 1,269 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण भी किया।

इस योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं को इस साल जून से प्रतिमाह 1,000 रुपये दिए जा रहे हैं। चौहान ने कहा, ''मेरी लाड़ली बहनो, आपके खातों में खुशियों की चौथी किस्त आज डाल दी है। ये यात्रा यहीं नहीं रुकेगी, अक्टूबर से मेरी सभी 1.31 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1,250 रुपये की राशि डाली जाएगी और धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 3,000 रूपये प्रतिमाह किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि यह मेरा संकल्प है कि अपनी बहनों की आंखों में आंसू नहीं रहने दूंगा, आपके चेहरे पर मुस्कुराहट लाना ही मेरा लक्ष्य है। इसी ध्येय के साथ मैंने लाड़ली बहना योजना बनाई है। चौहान ने कहा, ''मेरी लाड़ली बहनो, तुम्हें कच्चे घरों में ना रहना पड़े, इसलिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना बना दी है। अब सभी लाड़ली बहनों के पक्के आवास बनाए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेटे के सामने शादीशुदा प्रेमिका की हत्या

उन्नाव । रविवार सुबह एक प्रेमी ने शादीशुदा प्रेमिका की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। मां की चीख सुनकर बचाने आए 10 साल के बेटे पर भी जानलेवा हमला किया। तभी आस-पास के लोग आए गए। उन्होंने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के कस्बा मोहल्ला बाकरगंज की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का महिला से अफेयर था। वह पहले भी उसे लेकर भाग गया था। कुछ समय पहले महिला लौट आई थी और अपने पति के साथ रहने लगी थी। आरोपी महिला पर दोबारा साथ रहने का दबाव बना रहा था। लेकिन, महिला ने साथ रहने से इनकार कर दिया। इस बात से भड़का आरोपी अनिल तड़के साढ़े 5 बजे मौका पाकर घर में घुस गया। वहां आंगन में चारपाई पर सो रही राम सिंह की पत्नी रिंकी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आरोपी ने इतना तेज हमला किया कि मौके पर ही महिला की मौत हो गई। वारदात के वक्त राम सिंह छत पर सो रहे थे। रिंकी का 10 साल का बेटा इस पूरे मामले का प्रत्यक्षदर्शी है। उसने कहा "वारदात के समय पापा छत पर सो रहे थे। मैं आंगन से सटे कमरे में सो रहा था। सुबह-सुबह मेरे घर के पीछे रहने वाले अनिल ने मां के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। मां की चीख सुनकर मैं दौड़ा तो उसने मेरे कंधे पर भी कुल्हाड़ी मार दी, लेकिन मुझे पूरी तरह कुल्हाड़ी नहीं लगी, इसलिए मैं बच गया। इसके बाद मैं घर से बाहर भागा और शोर

मचा दिया। शोर सुनकर पड़ोसी पहुंच गए और सभी ने आरोपी को पकड़ लिया। कुल्हाड़ी के हमले से मां की मौके पर ही मौत हो गई।" बेटे ने बताया कि इसके बाद लोगों ने हत्या की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर सफीपुर कोतवाली पुलिस आनन-फानन में मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इसके साथ ही आरोपी को हिरासत में ले लिया। मृतका के पति राम सिंह ने बताया,"मेरी पत्नी रिंकी (42) को अनिल बहला फुसलाकर 2 साल पहले अपने साथ लेकर चला गया था। एक महीने पहले ही रिंकी बेटे तरुण के साथ वापस आ गई थी। तब से वह मेरे साथ रह रही थी। अनिल रिंकी पर साथ रहने का दबाव बना रहा था और वह अनिल के साथ जाने से इनकार कर रही थी। जिससे अनिल आए दिन उसे परेशान कर रहा था। पति ने बताया कि हमारे 3 बच्चों में बड़ी बेटी अंशी (22) का विवाह हो गया है। बेटा तनुज (18) मुंबई में रहकर नौकरी करता है। 10 साल का तरुण मां रिंकी के साथ रह रहा था। जब रिंकी अनिल के साथ गई थी तब तरुण को भी साथ ले गई थी। 2 साल वो मेरी पत्नी और बच्चे तरुण को लेकर कहां रहा, ये हमें नहीं पता। पिछले महीने पत्नी अचानक बेटे को लेकर घर आ गई थी। उसने अपने किये पर माफी मांगी तो मैंने भी कुछ नहीं कहा। इसके बाद हम लोग साथ में रहे रहे थे। गांव के लोगों ने बताया कि आरोपी सनकी किस्म का है। उसने 3 शादियां की थी, लेकिन उसकी हरकतों के चलते कोई पत्नी उसके साथ नहीं रह सकी। जब तीसरी पत्नी उसे छोड़कर चली गई तो अनिल का अफेयर उसके घर के पास रहने वाले राम सिंह की पत्नी रिंकी से हो गया था। जब राम सिंह ने विरोध किया तो दो साल पहले अनिल रिंकी व उसके बेटे को लेकर कहीं चला गया था। तभी से राम सिंह घर में अकेले रह रहा था। लेकिन उसकी पत्नी अपने बेटे को लेकर अनिल को छोड़कर लौट आई थी। अनिल उसे फिर ले जाने का प्रयास कर रहा था जिसे लेकर कई बार दोनों में झगड़ा भी हो चुका था। कोतवाल श्याम नारायण सिंह ने बताया कि महिला की हत्या प्रेम प्रसंग के चलते हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

संक्षिप्त डायरी

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के बेटे ने पत्नी संग देखा ताज

संवाददाता

आगरा। ताज की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षिक कर लेती है। फिर चाहे दूरी सात समंदर ही क्यों न हो। ताजमहल की एक झलक पाते ही उसके असीम संगमरमरी हुस्न का हर कोई दीवाना हो जाता है। सुबह इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के पुत्र कोसेंग पंगारेप अपनी पत्नी के साथ ताजमहल देखने पहुंचे। सुबह से ही मौसम खराब था। बारिश की बूंदाबांदी शुरू हो गई, लेकिन कोसेंग फिर भी सुबह ताज देखने के लिए पहुंच गए। उन्होंने ताजमहल में डेढ़ घंटे से अधिक समय बिताया और ताजमहल की खूबसूरती सराहना किया । जी-20 सम्मेलन की भारत अध्यक्षता कर रहा है। दिल्ली में विदेशी मेहमानों के सेमिनार शुरू हो गए हैं। इसी बीच ताजमहल देखने वालों की भी आवाजाही शुरू हो गई है। शनिवार सुबह 8:30 पर गणराज्य इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के बेटे कोसेंग पंगारेप ताजमहल देखने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी क्रीना भी थीं। दोनों ने ताजमहल का भ्रमण किया। ताजमहल की डायना सीट पर बैठकर फोटो भी खिंचाए। ताजमहल परिसर में दोनों ने करीब डेढ़ घंटे से अधिक समय बिताया और 10 बजे के बाद दोनों होटल के लिए रवाना हो गए।

यीडा के अपैरल पार्क में भूखंडों के लिए उद्यमियों में लगी होड़

संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार द्वारा प्रदेश में कलस्टर के रूप में औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित करने की शुरूआत की गई है। इसी क्रम में योगी सरकार यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) में अपैरल पार्क क्लस्टर की स्थापना कर रही है। ये यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण द्वारा स्थापित पहला औद्योगिक कलस्टर है। इस कल्स्टर में अपने उद्योग लगाने को लेकर उद्यमियों में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। उसका उदाहरण ये है कि भूखंड आवंटित होने के बावजूद अभी भी 70 से अधिक औद्योगिक इकाइयों द्वारा यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण में टेक्स्टाइल क्लस्टर के भूखंडों की मांग की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सेक्टर 29 में इस अपैरल पार्क कलस्टर की स्थापना की गई है, जिसका कुल क्षेत्रफल 175 एकड़ है। इसमें कुल 89 भूखंड है जिनमें से 81 भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं तथा 64 भूखंडों का लीज प्लान तथा चेक लिस्ट इश्यू की जा चुकी है। इनमें से 39 भूखंडों पर भौतिक कब्जा पत्र भी आवंटियों को वितरित किया जा चुका है। इस अपैरल पार्क के कारण ही गौतमबुद्धनगर को सिटी ऑफ अपैरल के नाम से भी जाना जाता है। प्राधिकरण के औद्योगिक क्षेत्र के अंदर कन्वेन्शन सेंटर, एग्जिबिशन सेंटर वा डेडिकेटेड कार्गो की स्थापना की जाएगी। जेवर में निमार्णाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में डेडिकेटेड कार्गो विकसित किया जाएगा। वर्तमान में कार्गो के अंदर सबसे अधिक हिस्सेदारी करीब 37% वस्त्र उद्योग की है। जेवर से कार्गो दिल्ली से भी सस्ता पड़ेगा क्योंकि यहां पर फ्यूल पर केवल 1% का वैट सरकार द्वारा लगाया जा रहा है। प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह के अनुसार प्राधिकरण के इस अपैरल पार्क को बल्लभगढ़ के पास से दिल्ली-नोएडा एक्सप्रेस-वे से जोड़े जाने पर एनएचएआई द्वारा कार्य शुरू कर दिया गया है। प्राधिकरण क्षेत्र में रैपिड रेल एनसीआरटीसी की स्टडी भी प्रारंभ करा दी गई है। इस क्षेत्र में देश का पहला और विश्व का छठा पॉड टैक्सी सिस्टम बनाया जाएगा, जिसके लिए प्राधिकरण द्वारा अंतरराष्ट्रीय निविदा भी जारी की जा चुकी है। साथ ही पीआरटी सिस्टम की प्री बिड बैठक में विश्व की सभी सर्वश्रेष्ठ कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्राधिकरण द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक भूखंडों पर दी जा रही 1.5 एफएआर को बढ़ाकर 2.0 करने का फैसला लिया गया है जिसपर शासन स्तर से जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है। साथ ही औद्योगिक भूखंडों में ग्राउंड कवरेज को बढ़ाकर 60% करने का भी निर्णय लिया गया है।

निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा

संवाददाता

प्रयागराज । टीएसएल उपखंड नैनी के अंतर्गत आने वाले कुछ सब स्टेशन पर कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जा रहा है जिसमें विद्युत मजदूर संगठन एवं विद्युत संविदा मजदूर संगठन का प्रतिनिधिमंडल उपखंड अधिकारी श्री नितिन बरनवाल जी से मिलकर के अवगत कराया था,लेकिन यह आदेश पत्रांकः528/पू०वि०वि०नि ०लि०(वा)/का अनु०/ दिनांक 01/05/2023 श्रीमान प्रबंध निदेशक का आदेश है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 5 वर्ष तथा शहरी क्षेत्रों में 3 वर्ष से अधिक न तैनात किया जाए। तथा सबस्टेशनो/फीडरो पर तैनात न किए जाय जहां पर संबन्धित कार्मिक का निवास स्थान हो।उसके बाद भी कुछ महीने पूर्व एक कर्मचारी का ट्रांसफर उनके घर से पास वाले सब स्टेशन पर कर दिया गया। और ऊरछ उपखंड कार्यालय पर कई कर्मचारी 15 से 20 वर्षों से कार्य कर रहे हैं उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हो रही जिससे कर्मचारी का आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है संगठन की यह मांग है की कार्रवाई एक समान किया जाए सिर्फ कुछ ही कर्मचारियों का स्थानान्तरण क्यों किया जा रहा है। अगर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी जिम्मेदारी अधिकारियों की होगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2 हजार से ज्यादा एग्जीबिटर्स प्रस्तुत करेंगे अपने उत्पाद

संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार प्रदेश के स्टार्टअप्स, उद्योगों और सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम (एमएसएमई) व स्थानीय शिल्प कलाओं को अंतरराष्ट्रीय फलक पर पहचान दिलाने के लिए 21 से 25 सितंबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 का आयोजन करने जा रही है। ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में उत्तर प्रदेश के दो हजार से ज्यादा एग्जीबिटर्स अपने अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। इसमें प्रदेश की शिल्पकलाओं के साथ ही नव उद्यमियों की मेधा से सृजित उत्पादों से दुनियाभर के बायर्स तक पहुंच बनाने का प्रयास होगा। इसके अलावा इंटरनेशनल ट्रेड शो परिसर में हॉल ऑफ टाउन ऑफ एक्सपोर्ट एक्सिलेंस में यूपी के 12 शहरों की उत्कृष्ट शिल्प कलाओं का भी प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही प्रदेश में मौजूद हेल्थ एंड वेलनेस सेक्टर के मजबूत आधार को भी इस ट्रेड शो के जरिए दुनियाभर के बायर्स के सामने प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने जा रहे इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान प्रदेश के दो हजार से भी ज्यादा एग्जीबिटर्स अपनी कलाओं के साथ मौजूद होंगे। इनमें एग्रीकल्चर और हॉर्टीकल्चर, डिफेंस कॉरिडोर, ई कॉमर्स, बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस, एजुकेशन सेक्टर (विश्वविद्यालय, साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित), इन्फ्रा, इंजीनियरिंग और मैन्यूफैक्चरिंग, फिल्म सेक्टर, फूड प्रॉसेसिंग एंड डेयरी प्रोडक्ट, जीआई टैग प्रोडक्ट, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल्स, रिटेल, हेल्थ एंड वेलनेस (आयुष, योग, यूनानी, नेचुरोपैथी), आईटी, आईटीईएस, एमएसएमई, नमामी गंगे और जल शक्ति, ओडीओपी, रिन्यूवेबल एनर्जी और ई-व्हीकल, स्पोर्ट्स सेक्टर, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, खिलौना उद्योग, वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक्स, महिला उद्यम सहित अन्य सेक्टर से जुड़े लोग अपने अपने उत्पादों के साथ इंटरनेशनल ट्रेड शो में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा इस ट्रेड शो के जरिए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने पर योगी सरकार का सबसे ज्यादा फोकस है। ओडीओपी के लिए यहां ना सिर्फ प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, बल्कि बिजनेस और कस्टमर (बी2सी) के बीच प्रॉपर चैनल भी विकसित किया जाएगा, जिससे खरीदार सीधे आर्टिजन्स से संपर्क स्थापित करें और उत्पादों के लिए ऑर्डर दें। सिर्फ इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश के जायके के लिए इंटरनेशनल ट्रेड शो में विशेष तौर पर तैयारी की जा रही है। यहां प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बनने वाले स्वादिष्ट और लजीज व्यंजनों का लुत्फ बायर्स उठा सकेंगे। खास बात ये है कि यहां पर मिलेट्स कैंटीन भी बनाई जाएगी, जिसमें मोटे अनाज से निर्मित तमाम व्यंजनों को सर्व किया जाएगा। इंटरनेशनल ट्रेड शो को विविध रंगारंग आयोजनों के जरिए भव्य रूप देने की तैयारी हैं। इसमें आर्ट एंड पेंटिंग शो, यूपी फैशन शो, यूपी कल्चरल परफॉर्मेंस, आर्टिसियन्स परफॉर्मेंस, साउंड एंड लाइट शो, लेजर एंड ड्रोन शो, यूपी बैंड फरफॉर्मेंस और शहनाई नाइट विशेष आकर्षण है। इसके अलावा यहां एक एक्सपीरिएंस जोन भी होगा जिसमें कन्नौज का इत्र, मेरठ का ब्रास और बिजनौर के पेंट ब्रश निर्माण का लाइव डेमो भी प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं यूपी के हेल्थ एवं वेलनेस सेक्टर को समर्पित पूरा का पूरा एक हॉल भी होगा, जहां प्रदेश में चिकित्सा से जुड़े विभिन्न विधाओं की समृद्ध परंपरा और विरासत का प्रदर्शन भी दुनियाभर के बायर्स के सामने होगा।

सर्व समाज सेवा समिति धामपुर ने किया

रामडोल शोभायात्रा का स्वागत

संवाददाता

धामपुर। नगर की प्राचीन संस्था श्री बजरंगबली अखाड़ा ट्रस्ट के तत्वाधान में विशाल रामडोल शोभा यात्रा निकाली गई। बजरंगबली अखाड़ा के गुरु हरिओम शर्मा के संरक्षण एवं मनमोहन भारद्वाज , दिव्या भारद्वाज एवं शिवम भारद्वाज के निर्देशन एवं संयोजन में धर्म नगरी धामपुर की एकमात्र परंपरागत एवं ऐतिहासिक इस विशाल रामडोल शोभायात्रा का शुभारंभ मोहल्ला गुजरातियान स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर से श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण के महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी रूपेंद्र प्रकाश जी महाराज, सीताकुंड अयोध्या के मुख्य महंत श्री श्री बाल स्वरूपानंद जी महाराज, भाजपा विधायक अशोक कुमार राणा के सुपुत्र प्रियंकर राणा, धामपुर नगरपालिका अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार सिंह धामपुर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष, राजू गुप्ता, हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व मण्डल अध्यक्ष डा,एन,पी सिंह आदि एवं नगर के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा नारियल तोड़कर एवं रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर शोभा यात्रा का शुभारंभ किया गया। शोभायात्रा में आकर्षण एवं मनोहारी झांकियां नगर के श्रद्धालुओ के लिए आकर्षण का केंद्र रही तथा बजरंगबली अखाड़ा भी आकर्षण का केंद्र बिंदु रहा। रामडोल शोभायात्रा का धामपुर नगर की सामाजिक संस्था सर्व समाज सेवा समिति के अध्यक्ष हरपाल सिंह चावला, अमित अग्रवाल, विवेक अग्रवाल ,हिमांशु अग्रवाल ,संदीप चौहान, विपिन कुमार, गुरप्रीत सिंह, गौरव पोसवाल, प्रीति पाल सिंह, नितिन अग्रवाल, संजीव जैन, दीपक कुमार जैन मार्बल, ओर संस्था के आदि कार्यकताओं ने पुष्प वर्षा कर एवं फल वितरण कर स्वागत किया शोभा यात्रा धामपुर के विभिन्न मार्गो से होते हुए श्री राधा कृष्ण मंदिर पर आकर समापन हुआ ।शोभायात्रा में राघव शरण गोयल नगर अध्यक्ष भाजपा, सौरव प्रताप सिंह, डॉ आदित्य अग्रवाल, रामडोल समिति के अध्यक्ष डॉक्टर आयुष कुमार, दीपक अग्रवाल सत्यम रस्तोगी ,संजय शर्मा, सुमित महेश्वरी ,पुलकित भारद्वाज, संयम जैन ,हिमांशु विश्वास ,विभूति कांत शर्मा, अरुण कुमार शर्मा सौरभ प्रताप सिंह अरुण कुमार वर्मा, अरुण प्रताप सिंह ,तथा नगर के गणमान्य व्यक्ति आदि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में टाटा मैजिक चालक की मौत, 12 घायल

मुजफ्फरनगर । रविवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। थाना क्षेत्र खतौली के अंतर्गत दिल्ली-देहरादून हाईवे पर सड़क किनारे खड़े टाटा मैजिक में उसी कंपनी के दूसरे वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में टाटा मैजिक चालक की गंभीर घायल होने पर मौत हो गई। जबकि 12 यात्री घायल हुए जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने चालक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नेशनल हाईवे 58 पर सड़क यात्रा नियमों का उल्लंघन जानलेवा साबित हो रहा है। रविवार को एक अनियंत्रित टाटा मैजिक सड़क किनारे खड़े दूसरे टाटा मैजिक से टकरा गया। पुलिस के अनुसार हादसे में एक टाटा मैजिक चालक की मौत हो गई। जबकि उसमें सवार 12 अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सेंट फ्रांसिस हॉस्पिटल खतौली में भर्ती कराया। जहां से सभी लोगों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मोदीनगर से कार्तिक पुत्र महेश टाटा मैजिक में अपने रिश्तेदारों के साथ मुजफ्फरनगर के बंजारा कालोनी के हनुमान चौक पर अपनी बुआ दुलारी की रस्म तेहरावी में जा रहे थे। दिल्ली देहरादून हाईवे पर बाइपास के निकट टाटा मैजिक को खड़ी कर लघुशंका कर रहे थे। तभी राजस्थान के बागड़ बाबा के दर्शन कर लौट रहे सुखबीर मनफूल और उनके परिचितों और रिश्तेदारों की टाटा मैजिक ने टक्कर मार दी। भीषण हादसे में टाटा मैजिक चालक प्रमोद शर्मा की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया। हादसे में संजय कुमार पुत्र रामानंद निवासी नसीरपुर, कौशल पत्नी महेंद्र, बबली पत्नी महेश, मुन्नी पत्नी कल्लू, निवासी मोदीनगर, सुनीता पत्नी सतवीर निवासी मोदीनगर, मुनीश पत्नी राजसिंह निवासी अंकित विहार, सतपाल पुत्र कृष्णलाल निवासी सुभाषनगर, अजय पुत्र चंद्रपाल निवासी नसीरपुर, सुखबीर पुत्र मनफूल निवासी गांधी कालोनी मुजफ्फरनगर को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है।

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उप्र. के प्रथम मुख्यमंत्री भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की 136वीं जयन्ती पर

मुख्यमंत्री ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी

● पं0 गोविन्द बल्लभ पंत महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थेः मुख्यमंत्री ● पं0 गोविन्द बल्लभ पंत ने उ0प्र0 के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के विकास की आधारशिला रखी ● पंत जी ने विभिन्न पदों पर रहते हुए कर्मठता व निष्ठा के साथ देश और प्रदेश की सेवा की

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री तथा भारत के पूर्व गृह मंत्री भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की 136वीं जयन्ती पर आज यहां लोक भवन स्थित उनकी प्रतिमा के सम्मुख चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 गोविन्द बल्लभ पंत का जन्म तत्कालीन उत्तर प्रदेश का हिस्सा रहे वर्तमान उत्तराखण्ड के कुमायूं अंचल में हुआ था। वह एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्होंने उच्च शिक्षा अर्जित करने के दौरान ही देश के स्वाधीनता आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभायी थी। इस दौरान पंत जी ने अनेक दायित्वों का निर्वहन किया। स्वतंत्र भारत में और देश में प्रथम चुनाव के उपरान्त उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पं0 गोविन्द बल्लभ पंत ने प्रदेश के विकास की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 गोविन्द बल्लभ पंत को भारत के गृह मंत्री के रूप में कार्य करने का भी अवसर प्राप्त हुआ। पंत जी ने विभिन्न पदों पर रहते हुए कर्मठता व निष्ठा के साथ देश और प्रदेश की सेवा की। देश व देश की स्वाधीनता के लिए प्रदेश के विकास, देश की आन्तरिक सुरक्षा के लिए उनके प्रयासों को स्मरण करते हुए देश ने अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, प्रदेश के पूर्व मंत्री व विधान परिषद सदस्य डॉ0 महेन्द्र कुमार सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह व सूचना श्री संजय प्रसाद, निदेशक सूचना श्री शिशिर सहित शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली के नरेला में प्लास्टिक फैक्टरी में लगी आग, मजदूरों ने भागकर बचाई जान

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में प्लास्टिक का सामान बनाने की एक फैक्टरी में बीती रात भीषण

आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग बुझाई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अगर समय पर आग न बुझ पाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था।

दमकल विभाग के अनुसार सूचना मिलते ही कर्मचारियों को 10 गाड़ियों के साथ भेजा गया। आग किस वजह से लगी इसका पता नहीं चल पाया है। धुआं फैलते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। फैक्टरी के मजदूरों ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आग इतनी भयंकर थी कि उसने कुछ ही देर में पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाई जा चुकी है।

जामा मस्जिद के निकट बम की झूठी कॉल से मची अफरातफरी

नई दिल्ली। जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली पुलिस के हाथ पांव उस समय फूल गए जब सुबह जामा मस्जिद इलाके में बम की सूचना मिली। कंट्रोल रूम ने आनन-फानन में मौके पर टीम रवाना की। छानबीन में यह सूचना झूठी निकली। पता चला है कि शनिवार की सुबह एक लड़के ने जामा मस्जिद के निकट कोई संदिग्ध लावारिस चीज देखी। उसने उसे बम समझ कर फौरन पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल कर दी। राजधानी में जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के मद्देनजर बिना समय गंवाए सायरन बजाती हुई पुलिस की गाड़ियां, बम स्क्वाड और डॉग स्क्वाड आदि टीमें मौके पर पहुंच गईं। हालांकि बम की कॉल से कुछ देर तक पैनिक वाली स्थिति बनी रही लेकिन जब छानबीन में कुछ नहीं मिला तो पुलिस ने राहत की सांस ली। उधर, पटेल नगर इलाके में एक और मामला सामने आया, जिसमें पुलिस को ड्रोन उड़ने की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि कोई लड़का ड्रोन उड़ा रहा था। वहां पर किसी बच्चे की बर्थ डे पार्टी चल रही थी, जिसमें ड्रोन के जरिए फोटो ग्राफी की जा रही थी। पुलिस ने ड्रोन को जब्त कर लीगल एक्शन ले रही है।

इन दोनों ही मामले की पुष्टि डीसीपी संजय सैन ने की है। उन्होंने बताया कि दोनों ही मामलों में नाबालिग की भूमिका सामने आई है।

युवक पर जानलेवा हमला, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले के नबीकरीम इलाके में दोस्त द्वारा दोस्त पर ही जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है, जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह वारदात सात अगस्त की दोपहर में हुई है। डीसीपी संजय सेन ने मामले की पुष्टि की है।उन्होंने बताया कि सात अगस्त की दोपहर को पुलिस को टेलीफोन कॉल मिली थी कि नबीकरीम थाना इलाके के प्रेम नगर में एक युवक पर चाकू से हमला किया गया है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छानबीन में घायल की पहचान दीपक के रूप में हुई, वह मुल्तानी ढाढा, दिल्ली का रहने वाला है। पहाड़गंज थाने का घोषित बदमाश भी है। पुलिस को पूछताछ में उसने बताया कि उसके ऊपर तीन लोगों ने हमला किया है। इस मामले में पुलिस ने 307/34 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज कर विशाल, हिमांशु और ऋतिक को बीती देर रात गिरफ्तार कर लिया। विशाल और रितिक नबी करीम और पहाड़गंज थाने के घोषित बदमाश हैं। पुलिस को पूछताछ में यह भी पता चला कि ऋतिक और दीपक दोनों दोस्त थे। कुछ दिन पहले किसी बात को लेकर बहस हुई और झगड़ा हुआ। उसी का बदला लेने के लिए ऋतिक ने दीपक पर हमला किया। दीपक शादीशुदा है लेकिन वह एक युवती के साथ कुछ दिन पहले से नबी करीम इलाके में रहने लगा था। उस युवती ने पुलिस को बताया कि 5 दिन पहले ही उसने दीपक से शादी की है। आगे की छानबीन की जा रही है कि हमले की वजह क्या दीपक के द्वारा दूसरी शादी करना है या और कोई कारण है।

मधुबनी की धूम रही जी-20 में

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान बिहार के मिथिला क्षेत्र की पारंपरिक और प्रसिद्ध चित्रशैली मधुबनी की धूम रही और इसने लगातार दुनिया भर से आए अतिथियों को आकर्षित किया।

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मंडपम में आदिवासी कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी लगायी गयी है जिसमें कई कलाओं का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विदेशी नेताओं और अतिथियों को भारतीय कला, संस्कृति और धरोहर से परिचित कराना है।

प्रदर्शनी में मधुबनी चित्रशैली का सजीव प्रदर्शन करने वाली 60 वर्षीया महिला शांति देवी ने बताया कि मधुबनी चित्रशैली अपने जटिल विवरण और जीवंत रंगों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कलाकार मनोरम और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण कलाकृतियों को बनाने के लिए केवल प्राकृतिक रंगों और टहनियों से बने ब्रश का उपयोग करते हैं। मध्यम आकार की कलाकृति का एक टुकड़ा बनाने के लिए अविश्वसनीय धैर्य और समर्पण की आवश्यकता होती है और एक प्रतिभाशाली कलाकार को एक उत्कृष्ट कृति बनाने में सात से 10 दिन लगते हैं।

मिथिला की मूल निवासी श्रीमती शांति देवी को उनकी उत्कृष्ट मधुबनी चित्रशैली ने न केवल प्रशंसा दिलाई है, बल्कि उनकी असाधारण शिल्प कौशल के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला है। मधुबनी चित्रशैली एक भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से सुसज्जित है। इसकी उत्पत्ति बिहार के मिथिला क्षेत्र में हुई है। यह भारत के सबसे पुराने और सबसे जीवंत कला रूपों में से एक है, जिसका इतिहास 2,500 वर्षों से अधिक पुराना है।

श्रीमती शांति देवी ने बताया कि कोविड महामारी से पहले उनकी कलाकृतियां पांच हजार रुपये तक प्रति बिक जाती थी। इससे उनके परिवार को स्थायी आजीविका मिलती थी। उन्होंने चंद्रयान -3 की सफलता पर मधुबनी चित्रशैली का एक चित्र बनाया है। उन्होंने कहा, 'यह अब मेरी सबसे बेशकीमती चित्रकारी है। मैं इसे बेचूंगी नहीं, बल्कि इसे तब तक अपने घर में रखूंगी जब तक मुझे इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को भेंट करने का मौका नहीं मिलता।'अपनी कला के माध्यम से वह अपने गांव, अपने राज्य और अपने देश के लिए एक दूत बन गई हैं। उन्होंने कहा,' मैं इस कला को संरक्षित करने के लिए अपनी ओर से यथासंभव प्रयास करूंगी और मुझे उम्मीद है कि मेरे बच्चे और पोते-पोतियां इस परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।'

'आई लव यू मम्मी-पापा, मैं हमेशा आपकी बेटी रहूंगी' लिखकर विवाहिता ने दी जान

गाजियाबाद। मोदीनगर में एक विवाहिता ने प्रेम विवाह के तीन साल बाद फंदे पर लटकर खुदकुशी कर ली है। विवाहिता के प्रेम विवाह करने के बाद से उसके परिजन नाराज चल रहे थे। इसी के चलते विवाहिता अपने पति के साथ मोदीनगर में रह रही थी। विवाहिता को तीन साल होने के बाद भी कोई बच्चा नहीं था। जिसके चलते वो काफी परेशान रहती थी।परेशान विवाहिता ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को सुसाइड नोट मिला है। जिसमें विवाहिता ने अपने मरने से पहले लिखा था कि आई लव यू मम्मी-पापा, हमेशा आपकी बेटी रहूंगी। विवाहिता पायल मोदीनगर की ब्रह्मपुरी कॉलोनी में नीरज के साथ किराये पर रहती थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पायल ने समीपवर्ती गांव निवासी युवक नीरज से लगभग तीन वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद नीरज और पायल ब्रह्मपुरी कॉलोनी में किराये पर रहने लगे। बताया गया कि नीरज नोएडा काम पर चला गया। रात में लौटा तो पायल को पंखे से लटका देख उसकी चीख निकल गई। पायल को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दंपती के कोई संतान नहीं है। इसे लेकर भी पायल तनाव में थी।

जी 20 नेताओं ने दी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने आये विश्व नेताओं ने आज राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, चीन के प्रधानमंत्री ली चियांग, इटली की प्रधानमंत्री जिओर्जियो मेलोनी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो, जर्मनी के चांसलर ओलोफ शोल्ज़, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव तथा अन्य राष्ट्राध्यक्ष/शासनाध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख राजघाट पहुंचे। राजघाट पहुंचने पर सभी मेहमान नेताओं का अंगवस्त्र पहना कर स्वागत किया गया। सभी नेता एकसाथ बापू की समाधि पर गये और तीन ओर एक साथ दो मिनट का मौन धारण

करके खड़े रहे और फिर पुष्पचक्र अर्पित किये। मेहमान नेताओं ने आगंतुक पुस्तिका पर अपने उद्गार भी व्यक्त किये।

राजघाट से लौट कर सभी नेता भारत मंडपम पहुंचे जहां पर जी-20 शिखर सम्मेलन में आखिरी सत्र 'एक भविष्य' में शिरकत करेंगे और इसके बाद शिखर सम्मेलन का समापन होगा। शिखर सम्मेलन में दो सत्र एक पृथ्वी एक परिवार की थीम पर कल आयोजित किये गये थे। शिखर सम्मेलन का संयुक्त दस्तावेज 'नयी दिल्ली घोषणापत्र' कल जारी हो चुका है जो सर्वसम्मति से जारी किया गया।

कुत्ते के काटने से लड़के की मौत के बाद नोएडा-गाजियाबाद में रेबीज का डर

गाजियाबाद/नोएडा। उत्तर प्रदेश का शो विंडो और दिल्ली एनसीआर का मुख्य पार्ट गाजियाबाद और नोएडा, राज्य के राजस्व में बड़ी भूमिका निभाते हैं। ये दोनों जिले प्रदेश के सबसे हाईटेक जिलों में शामिल हैं। लेकिन फिर भी यहां पर कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनके कारण आम जनता परेशान है। न ही गाजियाबाद का नगर निगम और न ही नोएडा का प्राधिकरण इन समस्याओं को हल कर पाने में सफल साबित हुआ है।

कागजी कार्रवाई खूब होती है लेकिन आम जनता को राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। नोएडा और गाजियाबाद इधर कुछ दिनों से अगर सुर्खियों में है तो डॉग अटैक के लिए। रोजाना कई ऐसे वीडियो सामने आते हैं जिसमें बच्चों को बुजुर्गों और आम लोगों को सड़कों पर, सोसाइटियों के अंदर और पार्कों में

घूम रहे आवारा कुत्ते अपना निशाना बनाते दिखाई देते हैं। दोनों ही जिलों से सामने आने वाले मामलों की बात करें तो तकरीबन 400 से ज्यादा मामले रोजाना डॉग बाइट के सामने आते हैं। साथ ही करीब 1.25 लाख से ज्यादा कुत्ते दिनों जिलों की सड़को पर घूम रहे हैं। गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र में चरण सिंह कॉलोनी है। यहां रहने वाले 14 साल के शाहवेज को करीब डेढ़ महीने पहले पड़ोसी के कुत्ते ने काट लिया था। डर के चलते शाहवेज ने यह बात परिजनों को नहीं बताई। धीरे-धीरे रेबीज इन्फेक्शन पूरे शरीर में फैल गया। 1 सितंबर को शाहवेज को दिक्कत होनी शुरू हो गई।

परिजनों ने एम्स दिल्ली, जीटीबी दिल्ली और मेरठ-गाजियाबाद के कई बड़े हॉस्पिटल में दिखाया। मगर, डॉक्टरों ने शाहवेज को लाइलाज घोषित कर दिया। आखिरकार 4 सितंबर को शाहवेज ने एम्बुलेंस में पिता याकूब की गोद में दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद लोग अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेहद सचेत हो गए हैं।

जी20 के प्रति साझा प्रतिबद्धता जताते हुए आया भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका-अमेरिका का संयुक्त वक्तव्य

नई दिल्ली। हम, भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका के नेताओं ने विश्व के लिए साझा समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में जी20 के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए शनिवार को यहां एक साझा बयान जारी किया।

जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली आए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडे, ब्राजील के राष्ट्रपति लूइज़ इंसियो लूला दा सिल्वा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात के बाद इन देशों में जी20 के लिए अपने साझी प्रतिबद्धता जतायी। इस संबंध में

जारी बयान में कहा गया है , 'जी20 के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए नई दिल्ली में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर हमने मुलाकात की।'

जी20 का अगला सम्मेलन ब्राजील , उसके बाद दक्षिण अफ्रीका और उससे अगला अमेरिका की अध्यक्षता में होगा।

साझा बयान में कहा गया है, 'जी20 की वर्तमान और अगली तीन अध्यक्षताओं के रूप में हम वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की जी20 अध्यक्षता की ऐतिहासिक प्रगति पर आगे काम करेंगे। इस भावना को ध्यान में रखते हुए, विश्व बैंक के अध्यक्ष के साथ, हम बेहतर, बड़े और अधिक प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के निर्माण के प्रति जी20 की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। ' बयान में कहा गया है, 'बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपने लोगों को समर्थन देने के लिए, यह प्रतिबद्धता उन कार्यों पर ज़ोर देती है जो जी20 के माध्यम से एक साथ मिलकर किए जा सकते हैं।'

दिल्ली में मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ने मां की चाकू मारकर हत्या की

नई दिल्ली। दिल्ली में मानसिक रूप से विक्षिप्त 25 साल के एक व्यक्ति ने अपनी मां की चाकू मारकर हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे बचाने की कोशिश करने वाले एक पड़ोसी को भी चोटें आईं।मृतका की पहचान पूर्वोत्तर दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके की रहने वाली राज कुमारी (60) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, घटना दोपहर 01:35 बजे त्रिलोकपुरी इलाके में हुई।

अधिकारी ने कहा, आरोपी की पहचान सूरज के रूप में हुई है, जिसने अपने घर में अपनी 60 वर्षीय मां की चाकू मारकर हत्या कर दी। वह मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, उसे पकड़ लिया गया है। उसके पड़ोसी नीरज पटेल ने महिला को बचाने की कोशिश की। वह भी घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

2660 फर्जी कंपनी बनाने के तीन आरोपियों के हरियाणा स्थित आवास पर नोएडा पुलिस ने चिपकाए नोटिस

नोएडा। 15,000 करोड़ के जीएसटी गड़बड़ी मामले में फर्जी तरीके से 2660 कंपनियां बनाने वाले तीन लोगों के हरियाणा स्थित आवास पर नोएडा पुलिस ने मुनादी की है और नोटिस चिपकाए हैं।

नोएडा पुलिस ने बताया है कि आरोपियों की सूचना देने वाले को 25,000 रुपए इनाम दिया जाएगा। आरोपियों ने फर्जी तरीके से 2660 कंपनियों का रजिस्ट्रेशन कराकर करोड़ों रुपए राजस्व की चोरी की थी। तीनों ही नोएडा के सेक्टर-20 थाना के वांछित हैं। दरअसल, इस पूरे गैंग ने मिलकर करीब 15,000 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा किया

साहिबाबाद में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 15 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

साहिबाबाद । उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस आग को बुझाने में मौके पर 27 दमकल गाड़ियां पहुंची। 15 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया सका। इस दौरान कई दमकलकर्मी झुलस गए। घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक, ÷साहिबाबाद फायर स्टेशन को शनिवार शाम करीब 5 बजे घटना की सूचना मिली। फोन करने वाले ने साइट-4, पैसिफिक मॉल के पास एसआरसी इम्पेक्स में भीषण आग लगने की सूचना दी।'

एक अग्निशमन अधिकारी ने कहा, 'मौके पर पहुंचने पर, दमकलकर्मियों ने देखा कि आग भीषण थी, उसकी लपटें फैल रही थीं और धुएं का गुब्बार बना हुआ था। बचाव अभियान के लिए तुरंत अतिरिक्त सहायता का अनुरोध किया गया।'

इसके बाद, विभिन्न अग्निशमन केंद्रों से कुल 27 अग्निशमन गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। कोतवाली से पांच दमकल गाड़ियां भेजी गईं और बाकी मोदीनगर, हापुड, मेरठ और नोएडा से बुलाई गईं। फैक्ट्री का ऊपरी हिस्सा जहां आग लगी थी, ढह गया, जिससे दमकलकर्मियों का काम मुश्किल हो गया।अधिकारी ने कहा, 'आग ने बगल की दो फैक्ट्रियों एसवीएल सेंटक और जेपीवीडीएस को भी अपनी चपेट में ले लिया। इन फैक्टरियों में बेसमेंट होने के चलते धुआं फैल गया, जिससे बचाव कार्य और भी मुश्किल हो गया। हालांकि, हम एग्जॉस्ट सिस्टम के माध्यम से धुएं पर काबू पाने में कामयाब रहे और 15 घंटे के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया।' अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान कई अग्निशमन कर्मी झुलस गए।

दिल्ली की बारिश में ऋषि सुनक, पत्नी अक्षता का 'प्यार हुआ इकरार हुआ' पल, तस्वीर वायरल

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने रविवार को अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया। इस दौरान दोनों पति-पत्नी ने छतरी के नीचे एक मनमोहक पल साझा किया, जिससे सभी आश्चर्यचकित रह गए।

ऋषि सुनक और उनकी पत्नी की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दोनों को बारिश में एक छाते के नीचे देखा जा सकता है। ऋषि सुनक सफेद फॉर्मल शर्ट के साथ रॉयल ब्लू कलर की पैंट पहने नजर आ रहे हैं। जबकि अक्षता मूर्ति ने गुलाबी लाल पलाज़ो और मैचिंग दुपट्टे के साथ ऑलिव ग्रीन फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ता पहना है। दोनों नंगे पैर छतरी के नीचे करीब-करीब चलते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में देखा जा सकता है कि ऋषि सुनक छाता पकड़े हुए हैं और कुछ बातें कर रहे हैं। यह तस्वीर 1955 की बॉलीवुड फिल्म 'श्री 420' के मशहूर गाने 'प्यार हुआ इकरार

हुआ' की याद दिलाती है। फिल्म में नरगिस और राज कपूर मुख्य भूमिका में थे और गाना दिवंगत लता मंगेशकर और मन्ना डे ने गाया था। ऋषि सुनक ने साल 2009 में इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की बेटी अक्षता से शादी की। दोनों ने आज सुबह मंदिर में श्री नीलकंठ वर्णी महाराज की मूर्ति पर 'अभिषेक' किया और विश्व शांति, प्रगति और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, 'मुझे और मेरी पत्नी को आज सुबह दर्शन और पूजा के लिए स्वामीनारायण अक्षरधाम जाकर खुशी हुई।' बाद में पीएम सुनक अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ यहां से राजघाट गए और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने शनिवार को यहां भारत मंडपम में जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित डिनर में में भी शामिल हुए।

डूसू चुनाव में एबीवीपी की संभावित उम्मीदवारों की सूची जारी, 9 नाम शामिल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने शुक्रवार को डूसू चुनाव के लिए 9 कार्यकर्ताओं की अद्यतन सूची जारी की है। सूची में चुनाव लड़ने वाले संभावित उम्मीदवारों में अंकिता बिस्वास, अपराजिता, भानु प्रताप सिंह, निशुल खर्ब, ऋषभ चौधरी, सचिन बैंसला, सारांश भाटी, सुशांत धनखड़, तुषार डेढ़ा के नाम शामिल हैं। ये सभी कार्यकर्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में चली अभाविप की प्री-कैंपेन के पहले चरण में भी शामिल रहे हैं। अभाविप के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव (डूसू) के मद्देनज़र डीयू के कॉलेजों के आसपास स्थित विभिन्न पीजी एवं छात्रावासों में संपर्क कर समर्थन मांगा। दरअसल, 'जी20' शिखर सम्मेलन के कारण फिलहाल दिल्ली के स्कूल-कॉलेज बंद रखे गए हैं। ऐसे में 'जी20' के आयोजन के कारण डीयू भी बंद रहा। इस पर एबीवीपी के कार्यकर्ता छात्र-छात्राओं से संपर्क करने के क्रम में पीजी व छात्रावासों में संपर्क करने पहुंचे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन में एक घर की दीवार ढहकर पांच अन्य घरों पर गिर गई,जिससे सात लोग घायल हो गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सिविल से प्राप्त विवरण के अनुसार, ईश्वरनगर में सचिन जीआईडीसी में बर्फ फैक्ट्री के पास शुक्रवार रात एक घर की अगासी दीवार ढह गई और बगल के पांच मंजिला घरों पर गिर गई। ऐसे में इन घरों में रहने वाले सात लोगों को मामूली चोटें आने से दहशत फैल गई। और एक रन था. इस इमारत की छत पर एक खाली टंकी हवा के कारण उड़ गई और दीवार से टकरा गई. घायल अवधेश प्रसाद मुरारी प्रसाद (उम्र 55 वर्ष) , रामजीत प्रजापति (उम्र 50 वर्ष) , अखिलेश सूबेदार यादव (उम्र 40 वर्ष) , बाबू मयादीन वर्मा (उम्र 42 वर्ष) , सोनू ग्रिप्टा (उम्र 7 वर्ष) ऋषि चौहान (यू-डब्ल्यू-30) और ऋषि चौहान सहित (यू-डब्ल्यू-35) को इलाज के लिए नवी सिविल में स्थानांतरित कर दिया गया। जिसमें अवधेश और बाबू को भर्ती कर लिया गया है।

जनमाष्टमी के त्यौहार के साथ ही मेघराज का भी आगमन हो गया है. भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण शहर के विभिन्न इलाकों में पेड़ और दीवारें गिर गईं। हालांकि, शुक्रवार रात सचिन में बर्फ फैक्ट्री के पास एक इमारत की अगासी दीवार ढह गई और आसपास के पांच घरों की छतों पर गिर गई, जिससे सात लोग घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके साथ ही शहर के विभिन्न इलाकों में 26 पेड़ टूट गये.

हवा और बारिश के कारण शहर के अलग-अलग इलाकों में एक के बाद एक 26 पेड़ और पेड़ों की शाखाएं गिरती रहीं, जिसमें खड़ी कार पर पेड़ गिरने से कार को भारी नुकसान पहुंचा. शुक्रवार की रात घोड्डोद रोड के पास जॉगर्स पार्क के पास। इसके साथ ही कतारगाम , अडाजण , नवसारी बाजार , परवत पाटिया आदि इलाकों में कल रात से ही दमकलकर्मी पेड़ों को हटाने के काम में लगे हुए हैं .

महिधरपुरा के छापराशेरी में शनिवार सुबह चार मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर गैलरी का एक कोना हिस्सा ढह गया।

तो वहां रहने वाले लोग डर कर भाग गये. कॉल मिलने पर दमकलकर्मी वहां पहुंचे और वहां रह रहे लोगों को बिल्डिंग से बाहर निकाला और नगर निगम अधिकारी को सूचना दी. अग्निशमन अधिकारी महेश पटेल ने बताया कि इस घटना में कोई घायल या मौत नहीं हुई है.

गुजरात की ई-सरकार

स्मार्ट गवर्नेंस की दिशा में बढ़ते कदम

1 लाख से अधिक यूजर्स और 6700 से अधिक ऑफिस ऑनबोर्ड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार एक पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका यह दृढ़ विश्वास है कि, ''सुशासन किसी भी राष्ट्र की प्रगति की कुंजी है।'सिटीजन फर्स्ट' हमारा मंत्र, सूत्र और मार्गदर्शक सिद्धांत है।'' प्रधानमंत्री के सिद्धांत के अनुरूप गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी राज्य के प्रशासन में क्रांति लाने के लिए 'ई-सरकार' की व्यवस्था शुरू की है। यह व्यवस्था प्रशासन के सभी दैनिक कामकाज को स्वचालित करने के लिए शुरू की गई है, ताकि शुरुआत से लेकर अंत तक पेपरलेस प्रणाली सुनिश्चित की जा सके। इसके लिए मुख्यमंत्री सहित सचिवालय और एचओडी यानी विभाग प्रमुख के 60 हजार से अधिक यूजर्स के लिए 50 से अधिक ऑनलाइन और 300 से अधिक ऑफलाइन सत्र आयोजित हुए हैं।

ई-सरकार का प्राथमिक उद्देश्य कार्य प्रवाह को अनुकूल बनाकर राज्य सरकार के विभागों की कार्यकुशलता में वृद्धि करना है। यह कार्यालय में आने वाली फाइलों, मेल यानी डाक तथा नागरिकों की शिकायतों की ट्रैकिंग और निगरानी के लिए एक मैकेनिज्म के रूप में भी कार्य करता है।

ई-सरकार की मदद से रिसोर्स मैनेजमेंट सक्षम बनता है, जिससे प्रशासन में और अधिक गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहती है। यह सरकार की प्रतिक्रियाओं की कार्यक्षमता, एकरूपता और प्रभावशीलता में वृद्धि करता है। यह सिटीजन चार्टर में बताई गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के टर्नअराउंड टाइम (किसी प्रक्रिया या अनुरोध को पूरा करने में लगने वाला समय) को कम करने में भी सहायक होता है। अब तक 6700 से अधिक कार्यालयों में ई-सरकार कार्यरत है, जिसमें 1 लाख से अधिक सक्रिय यूजर्स हैं।

ई-सरकार की कुछ मुख्य विशेषताओं में वॉयस-टू-टैक्स्ट कार्यक्षमता, विंडोज, एंड्रॉयड और आईओएस सहित समग्र प्लेटफॉर्म पर क्यूआर-कोड के माध्यम से ट्रैकिंग और सत्यापन, उपयोगकर्ताओं को मदद करने के लिए चैट बॉट सहायता तथा फाइलों और डाक की आसान ट्रैकिंग शामिल हैं।

ई-सरकार की मदद से सभी फाइलों के स्टेटस का रीयल-टाइम ट्रैकिंग हो सकता है और हर कोई उस जानकारी को प्राप्त कर सकता है। इससे देखरेख आसान बनती है और उस पर लिए गए निर्णय की आसानी से निगरानी होने से जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है। ये सभी बातें सरकार की कार्यकुशलता में वृद्धि करती हैं।

ई-गवर्नेंस पहल के रूप में, ई-सरकार सरकारी प्रक्रिया री-इंजीनियरिंग (जीपीआर) में निर्णायक भूमिका अदा करती है, जिससे नागरिकों को मिलने वाली सेवाएं और भी बेहतर बनती हैं। ई-सरकार के तीन विशेष मॉड्यूल हैं जिसमें ई-मेल, ई-फाइल, ऑफिस नोट, एमपी-एमएलए (सांसद-विधायक) संदर्भ, जीओआई (भारत सरकार) संदर्भ, ई-बैठक और समिति प्रबंधन का समावेश होता है। विभागीय मॉड्यूल में एलएक्यू मैनेजमेंट, अवॉर्ड मैनेजमेंट, लीगल केस मैनेजमेंट, ऑडिट पैरा, रिकॉर्ड मैनेजमेंट, नॉलेज रिपॉजिटरी, एसेट मैनेजमेंट और सर्कुलर मैनेजमेंट शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि अब तक 29.75 लाख ई-मेल प्रोसेस किए जा चुके हैं और 8.39 लाख ई-फाइलों का संचालन किया गया है। इसके अलावा, 3,30,876 ई-साइन पूरे हो चुके हैं।

सचिन-पारडी क्षेत्र में 7.50 करोड़ की लागत से 50 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाया जाएगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में नए जोड़े गए क्षेत्रों में से, सूरत नगर निगम ने सचिन में 7.5 करोड़ रुपये की लागत से 50 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाने का निर्णय लिया है। अंतिम मंजूरी नगर पालिका की सामान्य बैठक में दी जाएगी।

सूरत महानगर पालिका के विस्तार में सचिन , कंसाड सहित नगर पालिकाओं को जोड़ा गया । इससे नगर पालिका का दायरा बढ़ गया। चूंकि यह क्षेत्र ज्यादातर औद्योगिक क्षेत्र है, इसलिए स्थानीय नगरसेवक ने आबादी को ध्यान में रखते हुए सचिन-पारडी में कम से कम 50 बिस्तरों वाला एक अस्पताल बनाने का प्रस्ताव स्थानीय चौरासी विधायकों को दिया। विधायक की ओर से प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल को दोबारा ज्ञापन दिया गया. इस प्रेजेंटेशन के बाद नगर पालिका के शासकों ने वार्ड क्रमांक 30 के सचिन-पारडी में ड्राफ्ट टीपी स्क्रिम क्रमांक 59 के अंतिम भूखंड क्रमांक 196 में 7.05 करोड़ रुपये की लागत से 50 बिस्तरों वाला अस्पताल शुरू करने का निर्णय लिया। नगर पालिका के उधना जोन बी में। इस संबंध में अगली आमसभा में नगर पालिका के शासकों द्वारा अस्पताल बनाने की अनुशंसा की जायेगी.

उधना बी जोन के अंतर्गत आने वाले वार्डों में शामिल 20 गांवों के दो लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी

इस नए क्षेत्र का प्रस्ताव होजीवाला,अपैरलपार्क,सचिन जीआईडीसी क नगरसेवकों और सूरत महानगर पालिका में स्थानीय गांवों की आबादी द्वारा किया गया था, जो नगर पालिका में शामिल है। इस अस्पताल से 15 से 20 गांवों के दो लाख से अधिक शहरी निवासियों को लाभ मिलेगा।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा मोबाईल:-9879141480 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com